लखनऊ

शुक्रवार, 12 जून, 2026

वर्ष : 11 | अंक: 286

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

आत्मविश्वास कई प्रकार का होता है, धन का, बल का, ज्ञान का, लेकिन मूर्खता का आत्मविश्वास सर्वोपरि होता है।

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

टीएमसी को एक और झटका, राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक ने दिया इस्तीफा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष और हलचल बढ़ती जा रही है। पार्टी के राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक ने आज राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बराइक से पहले टीएमसी के दो और कद्दावर राज्यसभा सांसद — सुखेंदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव — भी संसद के उच्च सदन से इस्तीफा दे चुके हैं। इन तीन बड़े इस्तीफों के बाद राज्यसभा में टीएमसी की ताकत काफी कमजोर हो गई है। बराइक के इस्तीफे के बाद अब टीएमसी के सांसदों की संख्या केवल 10 रह गई है। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं के अनुसार, टीएमसी के भीतर असंतोष यहीं थमने वाला नहीं है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले एक हफ्ते में पार्टी के तीन और राज्यसभा सांसद अपने पदों से इस्तीफा दे सकते हैं। अगर ये अटकलें सच साबित होती हैं, तो संसद में ममता बनर्जी की पार्टी की स्थिति और कमजोर हो जाएगी। हालांकि, इन इस्तीफों के पीछे के स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आए हैं, लेकिन विपक्षी दल इसे टीएमसी में बढ़ती कलह और असंतोष का संकेत मान रहे हैं। इस सप्ताह बुधवार को राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने सांसद और पार्टी दोनों से इस्तीफा दिया था। इसके पहले सीनियर नेता सुखेंदु शेखर रॉय ने राज्यसभा और पार्टी से इस्तीफा दिया था। 2021 में कांग्रेस छोड़कर टीएमसी में शामिल हुईं देव ने बताया कि यह उनका निजी फ़ैसला था और उन्होंने अपने भविष्य के प्लान के बारे में अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की।

'किसान कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल', 12 साल की उपलब्धियों में पीएम मोदी ने गिनाईं कृषि योजनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र में अपनी सरकार के 12 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'किसान समृद्धि' का विशेष उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि पीएम–किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना जैसी कई पहल किसानों की आय की सुरक्षा के साथ–साथ खेती को अधिक सशक्त बना रही हैं। इसके साथ ही, पीएम मोदी ने कहा कि हमारे किसान भाई–बहन देश की अन्न सुरक्षा, पोषण और समृद्धि के आधारस्तंभ हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, हमारे किसान भाई–बहन देश की अन्न सुरक्षा, पोषण और समृद्धि के आधारस्तंभ हैं। उनके जीवन को अधिक से अधिक आसान बनाने के लिए हमारी सरकार कोई कोर–कसर नहीं छोड़ रही है। पीएम–किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना जैसी कई पहल उनकी आय की सुरक्षा के साथ–साथ खेती को अधिक सशक्त बना रही हैं। पीएम–कुसुम योजना से जहां खेती के लिए उन्हें सौर ऊर्जा सुलभ हुई है, वहीं इससे खेती पर होने वाला खर्च भी कम हुआ है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, खेती सहित अन्य जरूरतों के लिए कम ब्याज पर आसानी से ऋण उपलब्ध कराने में किसान क्रेडिट कार्ड किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के बहुत काम आ रहा है। उनकी फसलों को उचित मूल्य दिलाने के लिए 'बीज से बाजार तक' की हमारी पहल भी बहुत कारगर साबित हो रही है।

'टेक्नोलॉजी' से बदल रही किसानों की तकदीर: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 जनवरी, 2026 को किसानों की मदद करने वाली विभिन्न सरकारी पहलों के महत्व पर ज़ोर देते हुए 'किसान समृद्धि योजना' की 12वीं वर्षगांठ मनाई। उन्होंने किसानों की आय की सुरक्षा और कृषि को मज़बूत करने में PM-किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी प्रमुख कृषि कल्याण योजनाओं की भूमिका की सराहना की। X पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे किसान भाई-बहन देश की खाद्य सुरक्षा, पोषण और समृद्धि का आधार हैं। उनकी ज़िंदगी को जितना हो सके आसान बनाने के लिए हमारी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। PM-किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना जैसी पहल न केवल उनकी आय को सुरक्षित कर रही हैं, बल्कि खेती को और मज़बूत भी बना रही हैं।

मोदी ने खेती-बाड़ी के क्षेत्र को बढ़ावा देने वाली दूसरी योजनाओं का भी ज़िक्र किया और बताया कि PM-KUSUM योजना से किसानों को खेती के कामों के लिए सोलर एनर्जी मिल रही है, जिससे लागत कम हुई है। उन्होंने कहा कि PM-KUSUM योजना के ज़रिए उन्हें खेती के लिए सोलर एनर्जी मिल रही है और इससे जुड़ी लागत भी कम हुई है। किसान क्रेडिट कार्ड किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के लिए बहुत फ़ायदेमंद साबित हो रहा है, क्योंकि इससे उन्हें खेती और दूसरी ज़रूरी ज़रूरतों के लिए कम ब्याज दर पर आसानी से लोन मिल जाता है। इसके अलावा, पीएम मोदी ने सरकार की बीज से बाज़ार तक (From Seed to Market) पहल के बारे में बात की, जो फ़सलों के लिए सही दाम सुनिश्चित करने और खेती-बाड़ी की अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने में मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी 'बीज से बाज़ार तक' पहल फ़सलों के लिए सही दाम सुनिश्चित करने में भी बहुत असरदार साबित हो रही है। किसानों का कल्याण हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने टेक्नोलॉजी पर आधारित तरीकों को अपनाकर खेती को आधुनिक बनाने की कोशिशों का भी ज़िक्र किया: ड्रोन, सॉइल हेल्थ कार्ड और प्राकृतिक खाद से जुड़ी पहल भी किसानों को फ़सल की पैदावार बढ़ाने में मदद कर रही हैं। सरकार के अनुसार, PM-किसान एक सेंट्रल सेक्टर स्कीम है जिसे पूरी तरह से भारत सरकार फंड करती है और यह 1 दिसंबर, 2018 से चल रही है। यह स्कीम ज़मीन के मालिक सभी किसान परिवारों को हर साल ₹6,000 की इनकम सपोर्ट तीन बराबर किस्तों में देती है। इस स्कीम में परिवार का मतलब पति, पत्नी और नाबालिग बच्चे हैं, और गाइडलाइंस के अनुसार योग्य किसानों की पहचान करने की ज़िम्मेदारी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन की है। पैसे सीधे लाभार्थियों के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए जाते हैं।

वसूली के आरोपी टीएमसी नेता पर फेंके गए अंडे, दुर्गापुर में जमकर हुआ हंगामा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में राजनीतिक तनाव बढ़ गया। भ्रष्टाचार और जबरन वसूली समेत कई आरोपों में गिरफ़्तार तृणमूल नेता सुकुमार दत्ता को जब अदालत ले जाया जा रहा था, तो उन पर कथित तौर पर अंडे फेंके गए। दुर्गापुर के न्यू टाउनशिप पुलिस स्टेशन ने दत्ता को गिरफ़्तार किया था। उन्हें दुर्गापुर सब-डिविजनल कोर्ट ले जाया जा रहा था, तभी प्रदर्शनकारी पुलिस स्टेशन के बाहर जमा हो गए और उनके ख़िलाफ़ नारेबाज़ी की। खबरों के मुताबिक, बीजेपी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने आवाजाही के दौरान विरोध-प्रदर्शन किया और विरोध के बीच दत्ता पर अंडे फेंके गए। इस घटना से इलाके में कुछ देर के लिए तनाव पैदा हो गया, जिसके बाद पुलिस को सुरक्षा बढ़ानी पड़ी और व्यवस्था बनाए रखनी पड़ी।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी नेता स्वाधीन राय ने दावा किया कि अंडे फेंकने का काम बीजेपी ने नहीं किया था, बल्कि यह तृणमूल नेता के प्रति जनता के गुस्से का इज़हार था। राय ने आरोप लगाया कि दत्ता पर लंबे समय से ज़मीन हड़पने, उगाही करने और स्थानीय निवासियों को डराने-धमकाने के आरोप लगते रहे हैं। हालाँकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। बीजेपी नेता ने आगे कहा कि स्थानीय लोगों ने सालों तक उत्पीड़न और शोषण सहा है, जिससे दत्ता के खिलाफ़ लोगों में भारी नाराज़गी है। उन्होंने गिरफ़्तार तृणमूल नेता के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की मांग की।

होर्मुज से गुजर रहे जहाज पर अमेरिका का हमला, दो भारतीयों की मौत की पुष्टि, चीफ इंजीनियर अब भी लापता

नई दिल्ली, एजेंसी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास ओमान तट के पास वाणिज्यिक पोत 'एमटी सेट्टेबेलो' पर हुए हमले में दो भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) अभी भी लापता हैं। फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (स्नस्ढ्ढ) के महासचिव मनोज यादव ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और दावा किया कि अमेरिकी नौसेना को जहाज पर सवार क्रू की राष्ट्रीयता के बारे में पूरी जानकारी थी।

विदेश मंत्रालय (रूश्व्र) ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए बताया कि जहाज पर सवार 24 भारतीय क्रू सदस्यों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है। ओमान स्थित भारतीय दूतावास लापता नागरिकों की खोज के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय कर रहा है। लापता तीन में दो की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि चीफ इंजीनियर की तलाश जारी है। मनोज यादव ने कहा कि पोत से संपर्क बुरी तरह से बाधित हो गया है और विवरणों की पुष्टि अभी भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि जहाज से संपर्क स्थापित करने में असमर्थ रहे। नवीनतम जानकारी के अनुसार, दो लोगों की मौत हो गई है और चीफ इंजीनियर अभी भी लापता हैं। उन्होंने बताया कि प्रभावित तीनों नाविक भारत के अलग-अलग राज्यों से थे — हिमाचल प्रदेश, देवरिया (उत्तर प्रदेश) और आंध्र प्रदेश। मनोज यादव ने कहा कि वह यह मानने से इनकार करते हैं कि अमेरिका को जहाजों पर सवार लोगों की राष्ट्रीयता के बारे में जानकारी नहीं थी। उनका कहना था कि उन्हें 101त्न यकीन है कि अमेरिकी नौसेना को यह ठीक-ठीक पता था कि जहाज पर कितने भारतीय और विदेशी नागरिक सवार थे। अगर जहाजों ने उनके निर्देशों का पालन नहीं किया, तो उन्हें हिरासत में लेना उचित विकल्प था। इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने सोमवार को ओमान के तट पर स्थित जहाज एमटी सेट्टेबेलो पर हुए हमले की निंदा करते हुए कहा था कि जहाज पर सवार 24 भारतीय चालक दल के सदस्यों में से 21 को बचा लिया गया, जबकि तीन अभी भी लापता हैं। ओमान स्थित भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और खोज एवं बचाव अभियान में स्थानीय अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है।

होर्मुज में जहाजों पर हमले से भारत नाराज, एस जयशंकर ने कहा– समुद्री व्यापार पर खतरा बर्दाशत नहीं!

नई दिल्ली, एजेंसी। ओमान की खाड़ी में लगातार कमर्शियल जहाजों पर हमले हो रहे हैं। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन और समुद्री व्यापार पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाया जा रहा है। एमटी जलवीर और सेट्टेबेलो जैसे जहाजों पर हमले के बाद भारत पूरी तरह से अलर्ट है। भारतीय दूतावास हालात पर नजर बनाए हुए है। इसी बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुनिया को कड़ा मैसेज दिया है। बुल्गारिया की विदेश मंत्री वेलिस्लावा पेट्रोवा के साथ मीटिंग के बाद जयशंकर ने साफ किया कि यह युद्ध का युग नहीं है। उन्होंने समुद्री ट्रेड को बाधित करने वालों को वॉर्निंग दी है। जयशंकर ने कहा कि मौजूदा समय बेहद अस्थिर और अनिश्चितताओं से भरा है। ऐसे में किसी भी देश को समुद्री सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। भारत कूटनीति से मसले सुलझाने पर जोर दे रहा है।

बुल्गारिया की विदेश मंत्री के साथ मीटिंग में जयशंकर ने भारत का स्टैंड क्लियर किया। एस जयशंकर ने कहा, 'हम जानते हैं कि दुनिया एक अस्थिर और अनिश्चित दौर से गुजर रही है'। उन्होंने कई बड़े संघर्षों और इकोनॉमिक सिक्योरिटी का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री ने साफ किया कि यह युद्ध का समय नहीं है और हर समस्या का हल डायलॉग से निकलना चाहिए। उन्होंने सप्लाई चेन को मजबूत बनाने पर खास फोकस किया। एस जयशंकर ने कहा, 'यह बहुत जरुरी है कि समुद्री व्यापार में कोई बाधा न आए और उसे खतरे में न डाला जाए'। उन्होंने आतंकवाद पर भी जीरो टॉलरेंस की बात कही। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पिछले कुछ दिनों में पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों से जुड़ी कई गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। भारत अपने नाविकों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। ओमान तट के पास एक जहाज पर हुए हमले में तीन भारतीय नागरिकों की मौत पर भारत ने कड़ी निंदा जताई है। इस मामले में भारत ने अमेरिकी प्रभारी राजदूत को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया। जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और यह जारी संघर्ष का सीधा परिणाम हैं। भारत ने सभी पक्षों से हिंसा रोकने, संवाद बढ़ाने और जल्द से जल्द शांति तथा स्थिरता बहाल करने की अपील की है।

निशिकांत दुबे का दावा : टीएमसी का खेल खत्म, 1–2 दिन में साफ होगा भविष्य!

नई दिल्ली। बीजेपी के लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे ने 11 जून को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस (TMC) जल्द ही खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के बीच अगले कुछ दिनों में हालात और साफ़ हो जाएंगे। झारखंड के देवघर में ANI से बात करते हुए, दुबे ने ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पार्टी के भविष्य के बारे में अपनी पिछली बातों का ज़िक्र किया और तेज़ी से हो रहे राजनीतिक बदलावों की ओर इशारा करते हुए कहा कि बाबा की नगरी में कही गई हर बात सच साबित होती है। 1-2 दिनों में हमें और जानकारी मिल जाएगी।

उनके ये बयान TMC के अंदर चल रही आपसी कलह के बीच आए हैं, जहाँ कई इस्तीफ़े हुए हैं, गुटबाज़ी के आरोप लगे हैं और सीनियर नेताओं के बीच सार्वजनिक मतभेद सामने आए हैं। ताज़ा मामला तब हुआ जब TMC के सीनियर सांसद और वकील कल्याण बनर्जी ने एक कानूनी मामले को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की सार्वजनिक रूप से आलोचना की और उन पर 'अहंकारी रवैया' दिखाने का आरोप लगाया। कल्याण बनर्जी ने TMC प्रमुख ममता बनर्जी को अल्टीमेटम दिया और उनसे कहा कि वे उनके और अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी में से किसी एक को चुनें। साथ ही, उन्होंने घोषणा की कि वे अब अभिषेक बनर्जी की ओर से कानूनी मामले नहीं देखेंगे।

राज्यसभा से इस्तीफ़ों के सिलसिले में बुधवार को TMC सांसद प्रकाश चिक बारिक ने भी इस्तीफ़ा दे दिया। सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय के बाद, वे एक हफ़्ते के अंदर ऊपरी सदन से इस्तीफ़ा देने वाले तीसरे TMC सांसद बन गए। इस बीच, बागी TMC सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया कि 20 सांसदों के एक समूह ने लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की और NDA के प्रति समर्थन जताया। हालांकि, TMC की लोकसभा सांसद प्रतिमा मंडल ने इस कथित कदम से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया, बागी गुट को उनके हस्ताक्षर वाला कोई भी दस्तावेज़ पेश करने की चुनौती दी, पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई और कहा कि वे 2029 तक तृणमूल कांग्रेस के साथ बनी रहेंगी।

'मैं ममता का साथ नहीं छोड़ूंगा...' बगावत की चर्चाओं पर शत्रुघ्न सिन्हा ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने पार्टी से अलग होने की चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। उन्होंने गुरुवार को कहा है कि ममता बनर्जी ने मुसीबत में मेरा साथ दिया, मैं उनका साथ नहीं छोड़ूंगा। टीएमसी सांसद ने कहा, 'पिछले कुछ दिनों से मेरे बारे में बहुत अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ लोग सच बोल रहे हैं, तो कुछ अफ़वाहें फैला रहे हैं। कुछ लोगों ने दावा किया है कि मैं तथाकथित बागी गुट में शामिल हो गया हूं। हां, स्वभाव से मैं हमेशा से बेबाक रहा हूं। मैं अक्सर कहता हूं कि अगर सच बोलना बगावत है, तो मैं भी बागी हूं। मैं साफतौर पर कहना चाहता हूं कि मुश्किल समय में ममता जी मेरे साथ खड़ी थीं और आज उनके मुश्किल दौर में, मैं उन्हें अकेला नहीं छोड़ सकता।

शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, मैं आसनसोल और पश्चिम बंगाल के लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे इतना प्यार, सम्मान और समर्थन दिया और बार-बार मेरी जीत पक्की की। मैं पहली बार दीदी (ममता बनर्जी) के बुलावे और उनके कहने पर आसनसोल आया था। वहां अपने पहले ही चुनाव में, मैंने रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की। बाद में, मैं दूसरी बार भी बड़े अंतर से जीता। इसलिए, मैं खास तौर पर ममता जी, तृणमूल कांग्रेस और सबसे बढ़कर आसनसोल और पश्चिम बंगाल के लोगों का धन्यवाद करना चाहता हूं।

उन्होंने आगे कहा कि मैं यह साफ करना चाहता हूं कि मैंने बंगाल में हमेशा सभी के लिए काम किया है, चाहे वे किसी भी पार्टी से हों या उन्होंने मुझे वोट दिया हो या नहीं।

खरगे की अध्यक्षता में कांग्रेस सचिवों और राज्य अध्यक्षों की आपात बैठक, राजनीतिक रणनीति पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को पार्टी के सभी महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल शामिल हुए।

असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई, मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष बोम्मा महेशकुमार गौड़, गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोडंकर और पंजाब के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग भी बैठक में उपस्थित थे। सभी प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्षों, महासचिवों और राज्य प्रभारियों की एक इमरजेंसी मीटिंग के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'आज महासचिवों, प्रभारियों और PCC अध्यक्षों की मीटिंग में मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा चुनाव नॉमिनेशन के रिजेक्शन के मामले पर विस्तार से चर्चा हुई। हम इस मुद्दे पर राजनीतिक और कानूनी तौर पर लड़ेंगे। कमिटी ने यही तय किया और इसी पर चर्चा की। बहुमत बनाने का यही तरीका है।

'दूसरी पार्टियों के सभी सांसदों को लेकर उनसे इस्तीफा दिला रहे'

उन्होंने आगे कहा, 'वह दूसरी पार्टियों के सभी सांसदों को लेकर उनसे इस्तीफा दिला रहे हैं और उन्हें भाजपा सांसद बना रहे हैं। दूसरी तरफ, यह असल में वोटिंग के बाद, वोट चोरी के बाद, सीट चोरी है। यह साफ तौर पर सीट चोरी है। हम इसके खिलाफ कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ेंगे। फिर हमारी मीटिंग में देश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई। मुख्य रूप से आर्थिक संकट के मुद्दे पर। पेट्रोल, डीजल और LPG गैस की कीमतें दिन-ब-दिन बढ़ रही हैं। लोग बहुत परेशान हैं। सरकार की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। बेरोजगारी चरम पर है। MSME सेक्टर पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। युवा बहुत चिंतित हैं। वह अपने भविष्य को लेकर परेशान हैं। रोजगार नहीं है।'

इंडिया गठबंधन की अगली बैठक कब?

सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि राष्ट्रीय मुद्दों पर समन्वय बढ़ाने और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का मुकाबला करने के लिए विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों के बीच अधिक तालमेल स्थापित करने के लिए इंडिया ब्लॉक की पार्टियां हर दो महीने में बैठक करेंगी। खरगे ने बताया कि बैठक में 25 पार्टियों ने भाग लिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'यह सहमति बनी कि भारत गठबंधन के सभी दल हर दो महीने में मिलेंगे। अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी।'

क्यों लिखेंगे मुख्य न्यायाधीश को पत्र?

खरगे ने कहा कि इंडिया ब्लॉक की पार्टियों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), वोट की लूट और चुनावी कदाचार के मुद्दे पर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का फैसला किया है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 'एसआईआर, वोट की लूट और चुनाव में धांधली के संबंध में भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने पर सहमति बनी। यह पत्र जल्द ही भारत के मुख्य न्यायाधीश को सौंप दिया जाएगा।

पीओके में जुल्म हो रहा है... फारूक अब्दुल्ला के बहे आंसू! यूएन मानवाधिकार में लगाई गुहार

जम्मू। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जारी तनाव को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने यूएन मानवाधिकार संस्था से गुहार लगाई है। अब्दुल्ला ने पीओके में अशांति के बीच हालात की जांच करने की अपील की है। पीओके की सड़कों पर जनसैलाब उतर आया है। शासन और सरकार के खिलाफ खड़े हुए लोग जनआंदोलन कर रहे हैं। फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार समिति से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की स्थिति की जांच करने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में चल रही अशांति के बीच वहां के लोग गंभीर उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि पाकिस्तान के कंट्रोल वाले जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से में गंभीर अशांति और जान-माल का नुकसान हो रहा है। अब्दुल्ला ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा, 'यह राज्य मुश्किल में है। इसका एक हिस्सा जो पाकिस्तान के कब्जे में है, आज वहां जुल्म हो रहा है। वहां कई लोग शहीद हो चुके हैं। वहां की खबरें पूरी तरह साफ नहीं हैं।' उन्होंने यूनाइटेड नेशंस ह्यूमन राइट्स कमेटी से इलाके का दौरा करने और जमीनी हालात का पता लगाने की अपील की। यूएनआई की रिपोर्ट के मुताबकि अब्दुल्ला ने आगे कहा, "मैं यूनाइटेड नेशंस की ह्यूमन राइट्स कमेटी से अपील करता हूं कि वे वहां जाएं और देखें कि वे किस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, ताकि हमें और पूरी दुनिया को पता चले कि वे किस तरह की परेशानी से गुजर रहे हैं।"

'दोनों बचकर न जाएं', कत्ल से पहले हुआ झगड़ा, चार माह पहले लव मैरिज करने वाले युवक की हत्या में नया खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

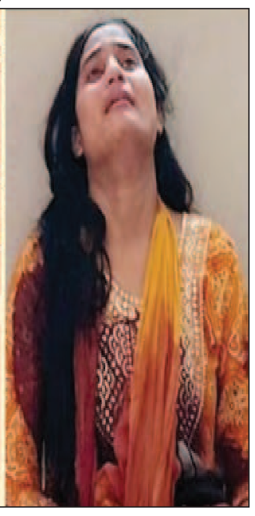

सहारनपुर। सहारनपुर के रामपुर मनिहारान कस्बे में हुए शिवकुमार हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी विमला और कर्मवीर को गिरफ्तार कर लिया है, जो शिवकुमार की पत्नी आकांक्षा की मां और मामा है। अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। बता दें, कि शामली जिले के गांव खेड़ी बैरागी निवासी शिवकुमार (27) अपनी पत्नी आकांक्षा को पुलिस भर्ती की परीक्षा दिलाने के लिए मंगलवार को रामपुर मनिहारान स्थित गोचर कृषि इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर आया था। परीक्षा खत्म होने के बाद शिवकुमार अपने ममेरे भाई और आकांक्षा के साथ कार से जा रहा था, तभी रास्ते में आकांक्षा के भाई मंजीत व अन्य आरोपियों ने शिवकुमार की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

शिवकुमार और आकांक्षा एक ही गांव के रहने वाले थे। दोनों ने चार माह पहले प्रेम विवाह किया था, जिससे आकांक्षा के परिजन नाराज थे। पुलिस ने आकांक्षा के भाई आरोपी मंजीत, परमजीत, मां विमला, मौसम, आदित्य, मामा कर्मवीर व अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

'गांव के लोग ताना मारते थे जिससे वे तंग आ चुके थे'

पोस्टमार्टम में आया है कि उसकी मौत एक गोली सिर में लगने से हुई थी जो सिर में ही धंसी रह गई थी। एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि विमला और कर्मवीर को गिरफ्तार कर लिया गया है। विमला ने बताया कि गांव के लोग ताना मारते थे जिससे वे तंग आ चुके थे।

हत्या से पहले हुआ था आरोपियों के साथ झगड़ा

यह भी सामने आया कि शिवकुमार की हत्या से कुछ देर पहले भी उसका आरोपियों के साथ झगड़ा हुआ था। पता चला है कि आरोपी मंजीत अपनी बहन आकांक्षा को जबरदस्ती अपने साथ लेकर घर जाना चाहता था।

आकांक्षा और उसके पति शिवकुमार ने इसका विरोध किया। वहां पर उनके बीच काफी झड़प हुई, जिसके बाद शिवकुमार अपनी पत्नी आकांक्षा को कार में बिठाकर वहां से चल दिया था। उसी समय आकांक्षा के परिजनों ने कह दिया था कि दोनों बचकर नहीं जा पाओगे।

परीक्षा केंद्र के आसपास बढ़ाई गई सख्ती

यह घटनाक्रम परीक्षा केंद्र से दूर हुआ है, लेकिन बुधवार को परीक्षा केंद्र के आसपास पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई। कोई भी बाहरी व्यक्ति केंद्र के आसपास फटकने नहीं दिया। हालांकि यह पुलिस भर्ती परीक्षा की मुस्तैदी के लिए किया गया था, लेकिन इसे मंगलवार को घटनाक्रम से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन

चार माह पूर्व परिजनों की मर्जी के बिना प्रेम विवाह करने वाले गांव

शिवकुमार की हत्या को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में गम व गुस्से का माहौल

उन्होंने कहा कि परिवार को न्याय मिलना चाहिए तथा सभी आरोपियों का एनकाउंटर होना चाहिए तथा अजीत को नौकरी से निकाल देना चाहिए। घटना में शामिल सभी लोगों के खिलाफ निष्पक्ष एवं कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

खेड़ी बैरागी निवासी शिवकुमार (27) की हत्या को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में गम व गुस्से का माहौल है। मृतका की मां कांति देवी ने कहा कि परिवार को न्याय मिलना चाहिए तथा सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए एनकाउंटर होना चाहिए। चेतावनी दी कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिलता तो आंदोलन किया जाएगा। उधर, पोस्टमार्टम के बाद बुधवार सुबह गांव में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान ग्रामीण, परिचित व रिश्तेदार मौजूद रहे। शिवकुमार की मंगलवार को जिला सहारनपुर के रामपुर मनिहारन क्षेत्र में गोली मारकर हत्या कर दी थी। उस समय वह अपनी पत्नी आकांक्षा को पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाने के बाद घर लौट रहा था। परिजनों की तरफ से आकांक्षा ने अपने भाई व मामा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिवकुमार और आकांक्षा एक ही गांव के निवासी थे तथा दोनों के घर आमने-सामने हैं। करीब चार माह पूर्व दोनों ने प्रेम विवाह किया था। युवती के परिजनों के सहमत न होने पर दोनों शामली में अटल बिहार कॉलोनी में रह रहे थे। विवाह के बाद से दोनों परिवारों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी। बुधवार को सुबह शव गांव में पहुंचा। इसके बाद गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार किया गया। शांति व्यवस्था के लिए गांव में पुलिस बल तैनात रहा। मृतक की मां कांति देवी ने बेटे की हत्या को सुनियोजित साजिश बताते हुए आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि परिवार को पहले भी चार-पांच बार धमकियां मिल चुकी थीं। उसने आरोप लगाया कि हत्या की पूरी योजना आकांक्षा के भाई अजीत, जो सीआरपीएफ में नौकरी करता है ने बनाई थी।

'तुम जो कहोगी वो करूंगा...' बलिया में 27 घंटे टावर पर बैठी रही महिला, बिहार से आई थी प्रेमिका

आर्यावर्त संवाददाता

बलिया। यूपी के बलिया जिले में एक महिला का हाईवोल्टेज ड्रामा करीब 27 घंटे बाद खत्म हुआ। सिकंदरपुर तहसील क्षेत्र के लीलकर गांव में अपने प्रेमी को बुलाने की जिद पर मोबाइल टावर पर चढ़ी महिला उसके आने के बाद नीचे उतरी। महिला के टावर पर चढ़ने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था और पुलिस प्रशासन उसे सुरक्षित नीचे उतारने की कोशिश में जुटा रहा, लेकिन प्रेमी के बाद ही महिला टावर से नीचे उतरी।

पुलिस के अनुसार बिहार के असनासोल से आई महिला पूनम देवी मंगलवार को लीलकर गांव पहुंची थी। बताया जा रहा है कि वह अपने प्रेमी सौरभ बिंद से मिलने की जिद कर रही थी। सौरभ बिंद उभांव थाना क्षेत्र का रहने वाला है और उसकी ससुराल सिकंदरपुर क्षेत्र के लीलकर गांव में बताई जा रही है।

प्रेमी को बुलान के लिए महिला मोबाइल टावर गई। टावर पर महिला के चढ़ने की सूचना मिलते ही गांव में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर महिला को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नीचे उतरने को तैयार नहीं हुई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने महिला के प्रेमी पति की तलाश शुरू की। काफी प्रयास के बाद सौरभ बिंद को देवरिया से ट्रेस कर बलिया लाया गया। मौके पर पहुंचते ही सौरभ ने कहा, जो तुम कहोगी वहीं होगा, लेकिन तुम नीचे उतर आओ। महिला करीब 27 घंटे बाद मोबाइल टावर से नीचे उतरी। बताया जाता है कि महिला का प्रेमी पहले से शादीशुदा है।

प्रेमी की तलाश में पहुंची थी गांव

पुलिस उपाधीक्षक रजनीश यादव ने बताया कि महिला जिस व्यक्ति को अपना पति बता रही है, वह पहले से शादीशुदा है। महिला सौरभ बिंद को तलाशते हुए लीलकर गांव पहुंची थी और अपना ध्यान आकर्षित करने के लिए मोबाइल टावर पर चढ़ गई थी। पुलिस ने बताया कि महिला और सौरभ को मिलवा दिया गया है। अब महिला आगे कहां जाएगी और क्या फैसला लेगी। यह उसकी मर्जी पर निर्भर है। महिला के सुरक्षित नीचे उतरने के बाद पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली। वहीं इस घटना की चर्चा इलाके भर में हो रही है।

आयोग की उपाध्यक्ष चारू के निरीक्षण पर हलकान रहा अस्पताल प्रशासन

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी ने गुरुवार को बाराबंकी जिला महिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं का विस्तृत मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, प्रसूति वार्ड, अल्ट्रासाउंड कक्ष, दवा वितरण केंद्र, साफ-सफाई व्यवस्था तथा कर्मचारियों की उपस्थिति की बारीकी से जांच की। महिला आयोग की उपाध्यक्ष के अचानक अस्पताल पहुंचने से स्वास्थ्य विभाग में हलचल मच गई और अधिकारी व्यवस्थाओं को लेकर सक्रिय नजर आए। निरीक्षण के दौरान चारू चौधरी ने अस्पताल की उपस्थिति पंजिका की जांच की। इस दौरान पाया गया कि कई कर्मचारियों ने निर्धारित समय पर उपस्थिति दर्ज नहीं की थी। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कर्मचारी ड्यूटी पर आने और जाने के समय नियमित रूप से उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर करना सुनिश्चित करें।

NIELIT बी. टेक. सेमेस्टर परीक्षा का पेपर लीक होने का आरोप

» विद्यार्थियों की मांग- संस्थान के वैज्ञानिक अरुण त्रिपाठी की संलिप्तता की हो जांच

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी (एनआईईएलआईटी) गोरखपुर के बी. टेक (सीएसई) की सेमेस्टर परीक्षा के ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंग यूजिंग सी प्लस प्लस के प्रश्नपत्र लीक होने का आरोप विद्यार्थियों ने लगाया है। छात्रों ने यह आरोप सीधे तौर पर इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक-डी अरुण मणि त्रिपाठी पर लगाया है। छात्रों का आरोप है कि बी.टेक परीक्षा 29 मई को आयोजित की गई थी। इससे पहले पांच मई अरुण मणि त्रिपाठी ने व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से ₹अनुमानित प्रश्नपत्र₹ के रूप में प्रश्नपत्रों का एक सेट साझा किया जिसमें कुल 18 प्रश्न थे। प्रश्न संख्या 16 में कुछ अंतर को छोड़कर सारे प्रश्न वही थे जो वास्तविक प्रश्नपत्र में पूछे गये थे।

विद्यार्थियों ने इसकी शिकायत भी की थी लेकिन उसका संज्ञान नहीं लिया गया। यह भी आरोप है कि अरुण मणि त्रिपाठी NIELIT के महानिदेशक मदन मोहन त्रिपाठी के करीबी सहयोगी हैं। इस कारण संस्थान के अंदर वह काफी प्रभावशाली माने जाते हैं। विद्यार्थी दावा करते हैं कि वह महानिदेशक के लगातार संपर्क में रहते हैं, इसलिए उन्हें भी महानिदेशक का पूर्ण संरक्षण प्राप्त है, इसलिए बिना भय के वह इस तरह के कार्य करते रहते हैं।

यह मामला शैक्षणिक परीक्षा प्रणाली की निष्ठा, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है, जो गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए कुछ जरूरी बिन्दुओं पर जांच होनी चाहिए, जैसे- बी.टेक (सीएसई) परीक्षा के प्रश्नपत्रों के लीक होने की तत्काल सतर्कता जांच की जाए। प्रश्नपत्र बनाने, उसके अभिरक्षण तथा लीक में NIELIT गोरखपुर के वैज्ञानिक-डी अरुण मणि त्रिपाठी की भूमिका की गहन जांच की जाए। साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ को रोकने के लिए सभी संबंधित व्हाट्सएप संदेशों, डिजिटल रिकॉर्ड, मोबाइल उपकरणों और संचार लॉग को सुरक्षित और संरक्षित किया जाए। छात्रों, संकाय सदस्यों और अन्य संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज किए जाएं। परीक्षा की गोपनीयता और संस्थागत नियमों और निष्ठा का उल्लंघन करने के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाए।

मोदी की आंधी में परिवारवादी पार्टियों का वजूद खत्म : सासंद बृजलाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बाराबंकी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल ने गुरुवार को बाराबंकी दौरे के दौरान विपक्षी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुरक्षा और सुशासन के नए आयाम स्थापित किए हैं, जबकि परिवारवादी राजनीति अब अपने अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। बृजलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4399 दिनों तक देश का नेतृत्व कर पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और वह देश के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष जनता के विश्वास, विकास और ऐतिहासिक उपलब्धियों के रहे हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत कानून व्यवस्था ही विकास की बुनियाद होती है। यूपीए सरकार के दौर में देश लगातार आतंकवादी हमलों से जूझता था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता संभालते ही जीरो टॉलरेंस नीति अपनाकर आतंकवाद पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने की कोशिशों का जवाब प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया और दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत पर हमला करने वालों को उनके घर में घुसकर जवाब दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि देश से नक्सलवाद भी लगभग समाप्त हो चुका है। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था का जिक्र करते हुए बृजलाल ने कहा कि पहले प्रदेश में मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद जैसे माफियाओं का प्रभाव था, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालते ही माफियाओं की कमर तोड़ दी और प्रदेश को अपराधियों के शिकंजे से मुक्त कराया। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया है। सपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में परिवारवादी दलों का पूरी तरह सफाया हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में लालू यादव की राजनीति कमजोर पड़ चुकी है, तमिलनाडु में करुणानिधि की विरासत वाली डीएमके का प्रभाव घट रहा है और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी भी आंतरिक असंतोष से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में क्या अखिलेश यादव के अलावा कोई दूसरा मुख्यमंत्री बन सकता है? उनका एजेंडा केवल परिवारवाद है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश की पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है।

चिकित्सा इकाइयों पर 16 जून तक ओआरएस कार्नर बनाना सुनिश्चित करें

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में बृहस्पतिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक हुई I पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) व केनव्यू के सहयोग से आयोजित बैठक की अध्यक्षता अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जय राम सिंह ने की I बैठक में सभी ब्लाक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) को निर्देशित किया गया कि वह अपने क्षेत्र की सभी चिकित्सा इकाइयों पर 16 जून तक ओआरएस कार्नर बनाना सुनिश्चित करें।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया से होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना व दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है I उन्होंने सभी ब्लाक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर (बीसीपीएम) को निर्देशित किया कि ओआरएस एवं ज़ंकि की उपलब्धता सभी चिकित्सा इकाइयों एवं आशा कार्यकर्ताओं के पास सुनिश्चित करेंI अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के अन्तर्गत आशा कार्यकर्ताओं, आशा संगिनी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पीएसआई इंडिया के सहयोग से प्रशिक्षित किया जा चुका हैI इसके साथ ही डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) के दौरान ई- रिक्शा के माध्यम से डायरिया से बचाव और प्रबन्धन के बारे में प्रचार-प्रसार किया जाएगा I इस दौरान प्रचार-प्रसार सामग्री का वितरण भी किया जाएगा।

इस मौके पर डिस्ट्रिक्ट कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर (डीसीपीएम) जे बी पाण्डेय ने जनपद के सभी ब्लाक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) को निर्देशित किया कि वह अपने-अपने क्षेत्र की सभी चिकित्सा इकाइयों पर ओआरएस कार्नर 16 जून तक बनाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने लोगों को बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित भी किया I

समीक्षा बैठक में पीएसआई इंडिया के गजेंद्र सिंह ने 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम की अब तक की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया I डायरिया रोको अभियान के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों की रिपोर्टिंग के बारे में भी चर्चा की I बैठक में बीपीएम, बीसीपीएम, सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि और पीएसआई इंडिया से अशरफ हुसैन आदि उपस्थित रहे।

7 माह पहले गर्भपात, बैग में दवाई, युवक के फोन से फोटो-वीडियो, बॉयज हॉस्टल में छात्रा का शव मिलने की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के सारनाथ में एक नर्सिंग कॉलेज की जीएनएम द्वितीय वर्ष की छात्रा की बुधवार की सुबह मौत हो गई। उसका लहूलुहान शव नर्सिंग कॉलेज के बॉयज हॉस्टल की सीढ़ियों पर मिला है। प्राइवेट पार्ट के आसपास भी खून लगा था। दुष्कर्म की आशंका जताई गई है। छात्रा के पिता पुलिस महकमे में तैनात हैं।

मूलरूप से बलिया के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, मामले में छात्रा के सहपाठी और जौनपुर निवासी युवक को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। छात्रा और युवक एक दूसरे के काफी करीब थे। छात्रा गर्भवती थी। उसका गर्भपात कराया गया था।

रक्तस्त्राव ज्यादा होने की वजह से मौत हो गई। तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जाएगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कॉलेज परिसर के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले हैं।

स्वास्थ्य शिविर में जाने की बात कहकर घर से निकली थी छात्रा

नर्सिंग कॉलेज के बॉयज हॉस्टल की सीढ़ियों पर जिस छात्रा का शव मिला उसका परिवार सारनाथ थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहता है। यहीं रहकर छात्रा निजी नर्सिंग कॉलेज में पढ़ती थी। गर्मी की छुट्टी की वजह से दो दिन से कॉलेज बंद था फिर भी छात्रा बुधवार की सुबह घर से निकल गई। छात्रा ने अपनी मां से कहा था कि कॉलेज की तरफ से एक गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है वहीं जाना है। पुलिस के मुताबिक, बेटी ने कहा था कि पहले सहेली के घर जाएगी फिर कॉलेज। दो लोगों के खाने का टिफिन भी साथ लेकर गई थी।

सीढ़ियों पर छात्रा का लहूलुहान हाल में मिली

इसी बीच सुबह 9 बजे कॉलेज प्रबंधन की तरफ से सारनाथ थाने की पुलिस को बॉयज हॉस्टल की सीढ़ियों पर छात्रा के लहूलुहान हाल में मिलने की सूचना दी गई। पुलिस को बताया गया कि इलेक्ट्रिशियन ने छात्रा को देखा और शोर मचाकर निजी सुरक्षाकर्मियों को सूचना दी।

सुरक्षाकर्मियों ने छात्रा को नर्सिंग कॉलेज परिसर में संचालित अस्पताल में भर्ती कराया। उसे सीपीआर दिया गया लेकिन जान नहीं बच सकी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्रा के बैग की जांच की, तो टिफिन, एप्रन आदि सामान बरामद हुआ लेकिन मोबाइल फोन गायब मिला। छात्रा के परिवार में माता-पिता के अलावा दो भाई और एक बहन हैं। वह दूसरे नंबर की थी।

> छात्रा की मौत की असली वजह जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया गया है। मोबाइल सीडीआर खंगालने के साथ ही सीसी कैमरे के फुटेज भी खंगाले गए। प्रेम संबंध समेत अन्य बिंदुओं पर पुलिस की दो टीमें काम कर रही हैं। छात्रा के साथ पढ़ने वाले जौनपुर के युवक को हिरासत में लिया गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।
>
> **- प्रमोद कुमार, डीसीपी वरुणा जोन**

दो डॉक्टरों के पैनल ने किया पोस्टमार्टम

थानाध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि छात्रा का पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आएगी। दो डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया है। इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई है। पोस्टमार्टम के बाद छात्रा का शव परिजनों को सौंप दिया गया है। छात्रा बॉयज हॉस्टल कैसे पहुंची और किसके लिए खाना लेकर गई थी इसकी जांच की जा रही है। सीसी कैमरों की जांच की जा रही है। मोबाइल फोन का सीडीआर निकलवा रही है।

सात महीने पहले भी गर्भपात कराया था

जीएनएम द्वितीय वर्ष की छात्रा की मौत के बाद जौनपुर निवासी जिस युवक को हिरासत में लिया गया है वह पिछले डेढ़ साल से छात्रा के संपर्क में था। पुलिस के मुताबिक दोनों एक दूसरे के करीब थे। करीब सात महीने पहले भी छात्रा का गर्भपात कराया गया था। छात्रा का ब्लड प्रेशर अक्सर लो हो जाता था।

वह कॉलेज परिसर में कई बार बेहोश होकर गिर चुकी थी। सीसी कैमरे की जांच से पता चला कि दो दिन से कॉलेज बंद था फिर भी छात्रा बुधवार की सुबह बॉयज हॉस्टल गई। युवक भी घर नहीं गया था। वह हॉस्टल में रुका था। छात्रा के मिलने के घंटे भर तक अस्पताल प्रबंधन ने जानकारी छिपाए रखी।

सवालों के घेरे में सुरक्षा बैग में मिलीं दवाइयां

कॉलेज परिसर में निजी सुरक्षा कर्मी हैं। इसके बावजूद छात्रा बॉयज हॉस्टल तक पहुंच गई। हॉस्टल वार्डेन या फिर किसी दूसरे कर्मचारी ने भी ध्यान नहीं दिया। बॉयज हास्टल की सीढ़ियों पर लहूलुहान हाल में मिली छात्रा के बैग की जांच भी पुलिस ने की है। पुलिस के मुताबिक छात्रा के बैग से दर्द निवारक दवाइयां मिली हैं।

फोन से मिले फोटो-वीडियो

पुलिस हिरासत में लिए गए युवक के मोबाइल फोन से साक्ष्य मिले हैं। पुलिस के मुताबिक छात्रा के साथ कई फोटो, वीडियो हैं। एक दूसरे से चैटिंग की गई है। पुलिस अब छात्र-छात्राओं से पूछताछ करके और साक्ष्य जुटाएगी।

बिजनौर पुलिस ने ज्वैलरी दुकान में चोरी का किया खुलासा, तीन शातिर चोर गिरफ्तार, छह लाख के आभूषण बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना बिजनौर पुलिस ने ज्वैलरी दुकान में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लगभग छह लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण तथा चोरी की घटना में प्रयुक्त एक स्कूटी बरामद की है। मामले में एक अन्य वांछित आरोपी की तलाश जारी है।पुलिस के अनुसार 2 जून 2026 को कमलापुर निवासी मनोज कुमार ने थाना बिजनौर में तहरीर देकर बताया था कि 1/2 जून की रात अज्ञात चोरों ने उनकी ज्वैलरी दुकान का शटर तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली। इस संबंध में थाना बिजनौर में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।घटना के अनावरण के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में तीन विशेष टीमें गठित की गईं। जांच के दौरान पुलिस ने करीब 250 से 300 सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने गुरुवार को किसान पथ अंडरपास के निकट सर्विस रोड से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निलोफर उर्फ गिट्टा उर्फ गीता, प्रियांशु उर्फ दीपांशु तथा अमन के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से बंद पड़े मकानों और दुकानों की रेकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। ये लोग पहले इलाके की निगरानी करते थे और मौका मिलने पर शटर काटकर या तोड़कर चोरी करते थे। चोरी के बाद सुनसान स्थान पर जाकर सामान का बंटवारा कर लेते थे।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने की नथ, ओम अंकित लॉकेट, चूड़ी, तीन चैन, चांदी की पायजेब, दस जोड़ी पायल, तीन चांदी की चैन, 12 अंगूठियां, 19 बिछिया तथा घटना में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की स्कूटी बरामद की है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग किसानों की आय और रोजगार बढ़ाने का सशक्त माध्यम: केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र बनकर उभर रहा है। यह क्षेत्र किसानों की आय में वृद्धि, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन तथा युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एक प्रभावी साधन साबित होगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार औद्योगिक विकास और हरित ऊर्जा को समान महत्व देते हुए आगे बढ़ रही है। सौर ऊर्जा आधारित औद्योगिक मॉडल भविष्य की आवश्यकता है, जो उद्योगों की उत्पादन लागत कम करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक होगा।उन्होंने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत उपलब्ध प्रोत्साहनों, अनुदानों और निवेश सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक उद्यमी प्रदेश में निवेश के लिए आगे आएं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सके।

इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में एप्रेजल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऑनलाइन पोर्टल पर प्राप्त 10 निवेश प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा निर्धारित शर्तों के साथ उन्हें स्वीकृति के लिए संस्तुत किया गया।स्वीकृत प्रस्तावों में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना, आधुनिक राइस मिल, मसाला एवं कृषि उत्पाद प्रसंस्करण इकाइयों के साथ-साथ मेकरोनी, पास्ता, नूडल्स एवं अन्य पैकेज्ड खाद्य उत्पाद निर्माण इकाइयों की स्थापना शामिल है। इन परियोजनाओं से प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को नई गति मिलने के साथ उत्पादन क्षमता में वृद्धि, ऊर्जा दक्षता और स्थानीय कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा।बैठक में जानकारी दी गई कि योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 540 इकाइयों को लाभान्वित किया जा चुका है। इनमें से करीब 130 इकाइयों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं अथवा उनकी स्थापना की प्रक्रिया जारी है।अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा ने बताया कि राइस मिल, ऑयल मिल, फ्लोर मिल, कैटल फीड इकाइयों, रेडी-टू-कुक प्लांट, मशरूम उत्पादन केंद्रों और बेकरी संयंत्रों सहित विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों में ऑन-ग्रिड सौर ऊर्जा प्रणाली को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इससे ऊर्जा लागत में कमी आने के साथ पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण के लक्ष्यों को भी बल मिलेगा।बैठक के अंत में एप्रेजल समिति ने निवेशकों को निर्धारित समय-सीमा और सभी शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विस्तार के लिए निवेश-अनुकूल वातावरण बनाए रखने पर बल दिया।

शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए बनेगा रोडमैप

» अपर मुख्य सचिव ने तीन साल का खाका तैयार करने के दिए निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़ों से उत्साहित होकर स्वास्थ्य विभाग ने नवजात मृत्यु दर और कम करने के लिए तीन साल का रोडमैप बनाने का फैसला किया है। इसके तहत प्रदेश में मौजूद 120 स्पेशल न्यूबार्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में बेडों की संख्या तीन हजार पहुंचाने का लक्ष्य मुख्य बिंदु होगा। इस समय इन एसएनसीयू में 1892 बेड हैं।

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित कुमार घोष ने संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश गुरुवार को स्टेट इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर में आयोजित मंथन के दौरान दिया। उन्होंने कहा कि बेशक एनएफएचएस और एसआरएस के आंकड़ों में नवजात मृत्युदर में कमी आई है लेकिन जन्म के तुरंत बाद होने वाली मृत्यु के आंकड़ों में बदलाव न होना चिंतानजक है। इसके लिए हमें एक रोडमैप बनाकर काम करना होगा और उन कारकों को तलाश कर उनपर फोकस होकर काम करना होगा। यूनिसेफ, सेंटर फार एडवोकेसी एंड रिसर्च और उत्तर प्रदेश टेक्निकल सपोर्ट यूनिट के सहयोग से आयोजित इस मंथन में यह बात सामने आई कि एक घंटे, एक दिन व सात दिन के अंदर सबसे ज्यादा शिशुओं की मौतें होती हैं। विशेषज्ञों ने माना कि प्रसव कक्ष में जहां प्रसूता डाक्टर व नर्स की निगरानी में रहती है उसी तरह शिशु की निगरानी के लिए एक बाल रोग विशेषज्ञ व एक नर्स होना चाहिए। जन्म लेने के बाद भी डाक्टर व नर्स को लगातार बच्चे पर नजर रखनी होगी। इतना भर करने से नवजात मृत्युदर में काफी कमी आ जाएगी। उत्तर प्रदेश सरकार के वरिष्ठ तकनीकि सलाहकार डॉ. हिमांशु भूषण ने कहा कि गोल्डन आवर के दौरान होने वाली मृत्यु को कम करने के लिए बाल रोग विशेषज्ञों को प्रसव कक्ष में जिम्मेदारी निभानी होगी। दिल्ली के लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज की निदेशक डॉ सुषमा नागिया ने भी डॉ हिमांशु भूषण की बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि जो स्त्री रोग विशेषज्ञ किसी महिला का प्रसव करा रही है वह नवजात के देखभाल की विशेषज्ञता नहीं रखती है। इसलिए मेरे-तेरे की भावना से आगे आकर बाल रोग विशेषज्ञ व एक नर्स को शिशु की देखभाल करनी होगी। देहरादून के हिमालय इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस के प्राचार्य डॉ अशोक देवरारी ने शिशुओं के गुणवत्तापरक इलाज पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा करके हम 80 से 90 प्रतिशत बच्चों का इलाज कर सकते हैं। उन्हें उच्च मेडिकल संस्थानों में रेफर करने की जरूरत नहीं है। सीपैप मशीन के जनक कहे जाने वाले वरिष्ठ नियोनेटोलाजिस्ट डॉ श्रीनिवास मुर्की ने सीपैप मशीन के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समस्त प्रसव कक्षों में सीपैप मशीन लगनी चाहिए। इसके अलावा समस्त एसएनसीयू को सीपैप मशीनों से लैस किया जाए। गेट्स फाउंडेशन के उपनिदेशक डॉ देवेंद्र खंडैत ने कहा कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का जल्द से जल्द चिंहिकरण तो जरूरी है ही साथ ही उसका उपयुक्त स्वास्थ्य इकाइयों में देखभाल भी जरूरी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के महाप्रबंधक डॉ मिलिंद वर्धन ने बताया कि प्रदेश में 30 प्रतिशत प्रसव ऐसे स्वास्थ्य केंद्रों पर हो रहे हैं जहां पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। विभाग ने इन स्वास्थ्य केंद्रों के 6000 स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया है। किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के बालरोग विभागाध्यक्ष डॉ एसएन सिंह ने कहा कि हर प्रसव को इमरजेंसी की तरह लेना चाहिए चाहे वह प्रिटर्म हो या सामान्य। केजीएमयू की स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ अंजू अग्रवाल ने स्टाफ नर्स की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने भी प्रसव कक्ष में कम से कम दो नर्स होने की बात पर जोर दिया।

ऊर्जा मंत्री ने यूपीपीसीएल प्रबंधन की कार्यशैली पर जताई नाराजगी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री ए. के. शर्मा ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की कार्यशैली पर गंभीर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने पत्र जारी कर विद्युत विभाग में कार्मिक प्रबंधन, उपभोक्ता हितों, आपदा प्रबंधन और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़े कई मामलों पर स्पष्टीकरण और सुधारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा की है।ऊर्जा मंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि वह पूर्व में भी कई बार पत्र लिखकर विद्युत तंत्र में लंबे समय से कार्यरत अनुभवी और कुशल कर्मियों को हटाकर उनके स्थान पर नए अथवा अकुशल कर्मियों की नियुक्ति किए जाने पर चिंता जता चुके हैं। इसके बावजूद यह प्रक्रिया नहीं रुकी, जिसके कारण अब विद्युत व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव दिखाई दे रहा है। उन्होंने सहारनपुर के बेहट डिवीजन में लंबे समय से कार्यरत एक लाइनमैन को हटाए जाने के मामले का उल्लेख करते हुए इसकी जांच कर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।मंत्री ने कहा कि हजारों कुशल कर्मियों को अनावश्यक रूप से हटाना किसी भी व्यवस्था के लिए तकनीकी, प्रशासनिक और राजनीतिक दृष्टि से नुकसानदेह हो सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि इस प्रकार के निर्णयों के दुष्परिणाम अब सामने आने लगे हैं।पत्र में गर्मी के दौरान विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का भी उल्लेख किया गया है। मंत्री ने कहा कि अधिकांश विद्युत कर्मियों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सराहनीय कार्य किया, लेकिन कुछ कर्मचारियों की लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण सरकार की छवि प्रभावित हुई है। ऐसे कर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने तथा स्थानांतरण सत्र के दौरान आवश्यकतानुसार उनका तबादला करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट भी तलब की गई है।ए. के. शर्मा ने मई के अंतिम सप्ताह में आए आंधी-तूफान से विद्युत अवसंरचना को हुए नुकसान का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि 28 और 29 मई को हुई प्राकृतिक आपदा के बाद विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य की आवश्यकता थी। इस दौरान समीक्षा बैठक आयोजित करने के लिए संपर्क करने पर यह जानकारी मिली कि संबंधित वरिष्ठ अधिकारी मुख्यालय से बाहर थे। मंत्री ने इसे जनहित के विपरीत और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार बताते हुए भविष्य में मुख्यालय छोड़ने से पहले उन्हें अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

• संक्षेप •

सआदतगंज में दुष्कर्म की घटना से हड़कंप, पड़ोसी किशोर पुलिस संरक्षण में

लखनऊ। सआदतगंज थाना क्षेत्र में दुष्कर्म की घटना सामने आने से इलाके में सनसनी फैल गई। गुरुवार को डायल-112 के माध्यम से पुलिस को घटना की सूचना प्राप्त हुई, जिसके बाद स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पीड़ित पक्ष के पड़ोस में रहने वाले 16 वर्षीय किशोर ने कथित रूप से घटना को अंजाम दिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने पीड़ित पक्ष और परिजनों से बातचीत कर आवश्यक जानकारी एकत्रित की तथा घटना से जुड़े तथ्यों का संकलन शुरू कर दिया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़ित का चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है। प्राप्त तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।पुलिस ने आरोपी किशोर को संरक्षण में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस टीम उपलब्ध साक्ष्यों, परिस्थितिजन्य तथ्यों तथा चिकित्सकीय परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की निष्पक्ष एवं गंभीर विवेचना की जा रही है तथा दोषी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच चिंता और आक्रोश का माहौल है।

अज्ञात ट्रक की टक्कर से कार चालक की मौत, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में रायबरेली रोड पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार चालक की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसा गुरुवार सुबह फुलवरिया मोड़ के पास हुआ, जहां अज्ञात ट्रक की टक्कर से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह करीब छह बजे फुलवरिया मोड़, रायबरेली रोड पर सड़क दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही थाना मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। जांच में पता चला कि हरदोई जनपद के रेलवेगंज क्षेत्र निवासी आशुतोष मिश्रा अपनी वैगनआर कार से रायबरेली की ओर से लखनऊ आ रहे थे।स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि रास्ते में उनकी कार को किसी अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार क्षतिग्रस्त हो गई और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों की मदद से घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज पहुंचाया गया।

दुष्कर्म के मामले में पुलिस की त्वरित कार्रवाई, आरोपी बाल अपचारी चार घंटे के भीतर संरक्षण में

लखनऊ। सआदतगंज थाना क्षेत्र में 9 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बाल अपचारी को मात्र चार घंटे के भीतर संरक्षण में ले लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर विशेष टीम गठित की और तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया।पुलिस के अनुसार गुरुवार को डायल-112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि वजीरबाग क्षेत्र स्थित मौलानगरी गेट नंबर-1 में एक बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना हुई है। सूचना मिलते ही सआदतगंज पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़िता तथा उसके परिजनों से पूछताछ कर मामले की जांच शुरू की।पीड़िता की माता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना सआदतगंज में आरोपी बाल अपचारी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 65(2) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 5एम/6 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। साथ ही पीड़िता को महिला पुलिसकर्मियों की सुरक्षा में चिकित्सकीय परीक्षण के लिए रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय, राजाजीपुरम भेजा गया।मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। पुलिस क्षेत्र में लगातार तलाश कर रही थी कि इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित आरोपी वजीरबाग नाले के पास मौजूद है और वहां से भागने की तैयारी कर रहा है।सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी बाल अपचारी को संरक्षण में ले लिया।

बिजली निगमों में निर्माण कार्यों पर लेबर सेस और श्रमिक पंजीकरण अनिवार्य, यूपीपीसीएल ने जारी किए निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने निर्माण कार्यों में श्रमिकों के हितों की सुरक्षा और श्रम कानूनों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। निगम ने सभी विद्युत वितरण निगमों और केस्को को भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियमों के तहत लेबर सेस, अधिष्ठान पंजीकरण और श्रमिक पंजीकरण संबंधी प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।यूपीपीसीएल के निदेशक (कार्मिक, प्रशासन एवं प्रबंध) डॉ. जॉन मथाई द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश शासन और श्रम विभाग के निर्देशों के क्रम में निर्माण कार्यों से संबंधित सभी निविदाओं और अनुबंधों में श्रमिक पंजीकरण तथा लेबर सेस संबंधी शर्तों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए।श्रम विभाग के अनुसार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 के तहत ऐसे सभी निर्माण कार्य, जहां वर्ष के किसी भी दिन 10 या उससे अधिक निर्माण श्रमिक कार्यरत हों, उनका अधिष्ठान पंजीकरण कार्य प्रारंभ होने के 60 दिनों के भीतर कराया जाना अनिवार्य है। इसके साथ ही भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996 के अंतर्गत निर्माण लागत पर एक प्रतिशत उपकर (सेस) जमा कराने का भी प्रावधान है।शासन के संज्ञान में यह बात आई थी कि कई सरकारी विभागों एवं निर्माण एजेंसियों द्वारा निर्माण कार्यों के बावजूद अधिष्ठान पंजीकरण नहीं कराया जा रहा है और न ही निर्धारित एक प्रतिशत उपकर की धनराशि समय से जमा कराई जा रही है।

शिक्षकों की समस्याओं के समाधान पर हुई चर्चा, आप शिक्षक प्रकोष्ठ ने नव नियुक्त डीआईओएस को दी शुभकामनाएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने नव नियुक्त जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) लखनऊ से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस दौरान शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।बैठक में विशेष रूप से नई पेंशन योजना (एनपीएस) के अंतर्गत कटौती की गई धनराशि को शीघ्र सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) खातों में स्थानांतरित किए जाने, शिक्षकों के कैशलेस स्वास्थ्य कार्डों के निर्माण में आ रही समस्याओं के समाधान तथा अन्य लंबित मामलों को प्रमुखता से उठाया गया।महेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी समाधान शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में आवश्यक कदम है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज की नींव हैं और उनकी सुविधाओं तथा अधिकारों की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए।नव नियुक्त जिला विद्यालय निरीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए सभी मुद्दों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों से जुड़े मामलों के समाधान के लिए नियमानुसार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।बैठक में शिक्षकों और प्रशासन के बीच बेहतर संवाद एवं समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि शिक्षकों की लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा, जिससे शैक्षणिक वातावरण और अधिक सुदृढ़ बन सकेगा।इस अवसर पर शैलेन्द्र राठौर, रामशंकर, विनोद पाल, अभिषेक सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने शिक्षकों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे तथा उनके शीघ्र निस्तारण की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम के अंत में आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ की ओर से नव नियुक्त जिला विद्यालय निरीक्षक को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी गईं तथा शिक्षा व्यवस्था के हित में हरसंभव सहयोग का भरोसा व्यक्त किया गया।

बारिश से पहले नाला सफाई पर नगर निगम की सख्ती, अपर नगर आयुक्तों ने किया व्यापक निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मानसून के मद्देनजर जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम ने नाला सफाई अभियान में तेजी ला दी है। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर गुरुवार को अपर नगर आयुक्त अभिनव रंजन श्रीवास्तव और अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे नाला सफाई कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने सफाई कार्यों की गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जोन-7 क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अभिनव रंजन श्रीवास्तव ने मिनी स्टेडियम के पास स्थित नाले, सेक्टर-25 से गुजरने वाले नाले तथा शक्तिनगर ढाल के समीप बैरल संख्या-3 का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी नालों की सफाई तली झाड़ तक सुनिश्चित की जाए ताकि बरसात के दौरान जल निकासी में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर नालों की कवरिंग की गई है, वहां कवर हटाकर पूरी तरह सफाई कराई जाए और कार्य पूर्ण होने के बाद कवर को व्यवस्थित ढंग से पुनः स्थापित किया जाए।निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों की भागीदारी पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में सफाई कार्य कराया जा रहा है, वहां कम से कम दो स्थानीय नागरिकों से कार्य की गुणवत्ता के संबंध में फीडबैक लिया जाए और उसका रिकॉर्ड भी संधारित किया जाए। साथ ही नालों से निकाली गई सिल्ट को तत्काल हटाने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में उसे सड़क या नाले के किनारे लंबे समय तक न छोड़ा जाए।वहीं अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने जोन-8 क्षेत्र में व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। उन्होंने परिवहन नगर स्थित एस.एस. पैलेस से शहीद पथ, इसरार क्रेन सर्विस से एच.पी. पेट्रोल पंप, पार्किंग स्थलों के सामने स्थित नालों और यूनिक पब्लिक स्कूल से स्प्रिंग डेल मोड़ तक चल रहे सफाई कार्यों की समीक्षा की। इसके अलावा रजनीखण्ड, रतनखण्ड, रत्नागिरी कॉम्प्लेक्स, आवासीय विद्यालय क्षेत्र, लोकबंधु चौराहा, एलडीए पार्किंग, शनि मंदिर, अंबेडकर भवन, लोहिया विधि संस्थान, शक्ति चौराहा, विधि विश्वविद्यालय गेट तथा सीआरपीएफ क्षेत्र के आसपास चल रहे नाला सफाई कार्यों का भी निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान डॉ. राव ने कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त चैंबरों का संज्ञान लेते हुए उनके पुनर्निर्माण के निर्देश अधिशासी अभियंता को दिए।

बिजली निगमों में छह माह तक हड़ताल पर रोक, सरकार ने जारी की अधिसूचना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने बिजली आपूर्ति से जुड़ी सेवाओं को निर्बाध बनाए रखने के उद्देश्य से राज्य के सभी प्रमुख विद्युत निगमों और उनसे संबंधित संस्थाओं में अगले छह माह तक हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में ऊर्जा विभाग द्वारा अधिसूचना जारी कर उत्तर प्रदेश आवश्यक सेवाओं का अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा), 1966 के तहत कार्रवाई की गई है।ऊर्जा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि राज्य सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि जनहित में विद्युत सेवाओं का निरंतर संचालन आवश्यक और समीचीन है। इसी के मद्देनजर राज्यपाल की ओर से एस्मा अधिनियम की धारा-3(1) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गजट में आदेश प्रकाशित होने की तिथि से छह माह की अवधि तक हड़ताल पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है।यह प्रतिबंध उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल), उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड, कानपुर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (केस्को), मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड तथा यूपी रिन्यूएबल एंड ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सभी सेवाओं पर लागू होगा।अधिसूचना के अनुसार आदेश के गजट में प्रकाशन के साथ ही संबंधित सभी संस्थानों में किसी भी प्रकार की हड़ताल प्रतिबंधित मानी जाएगी।

मोदी युग के बारह वर्ष: विकास, विश्वास और विराट का उदय

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड केवल शासन परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण के लिए याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते बारह वर्षों का दौर ऐसा ही एक कालखंड है। यह केवल एक प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल की कहानी नहीं है, बल्कि उस भारत की कहानी है जिसने स्वयं को नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और नई वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को स्थापित किया है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि जनता के उस विश्वास का प्रमाण है जो बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्त हुआ है। भारत जैसा विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरा देश किसी नेतृत्व को लगातार तीन बार राष्ट्रीय जनादेश दे, यह अपने आप में असाधारण एवं ऐतिहासिक घटना है।

मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है। मोदी की सबसे विलक्षण विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे जनभावनाओं और राष्ट्रीय आकांक्षाओं से जोड़ा। वे उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं को केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सफाई का विषय जो कभी सरकारी विभागों तक सीमित था, उसे राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ दिया गया।

मोदी युग को भारत की गुम होती सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना के लिए भी याद किया जाएगा। सदियों से उपेक्षित राष्ट्रीय प्रतीकों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत को नई गरिमा मिली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक चेतना के सम्मान का प्रतीक बना। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और सोमनाथ जैसे तीर्थों का विकास यह संकेत देता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। मोदी की एक और विशेषता यह है कि उन्होंने भारत की विदेश नीति को आत्मविश्वास का नया आयाम दिया। कभी विश्व शक्तियों के बीच संतुलन साधने वाला भारत आज वैश्विक विमर्श को प्रभावित करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, पश्चिम एशिया का संकट हो, जी-20 का नेतृत्व हो अथवा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज उठाने का प्रश्न- भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यह वही भारत है जिसे कभी विकासशील देशों की कतार में खड़ा माना जाता था, लेकिन आज दुनिया उसकी ओर समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रही है।

इन बारह वर्षों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि शासन के केंद्र में पहली बार अंतिम व्यक्ति को रखने का गंभीर प्रयास दिखाई दिया। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। शासन की पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका सीमित हुई। डिजिटल इंडिया अभियान ने तकनीक को केवल महानगरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली का एक विशिष्ट पक्ष उनका संकल्पबोध है। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देते हैं। चाहे 370 का उन्मूलन हो, तीन तलाक पर रोक हो, जीएसटी लागू करना हो, महिला आरक्षण विधेयक हो अथवा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति-इन सभी निर्णयों में राजनीतिक जोखिम था, लेकिन उन्होंने जोखिम उठाने का साहस दिखाया। यही साहस उन्हें सामान्य राजनेताओं से अलग करता है। हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक शासन की तरह चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमताएं तथा आर्थिक अवसरों का असमान वितरण ऐसे प्रश्न हैं जिनका समाधान अभी अपेक्षित है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है तो केवल आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ चिकित्सा, रोजगार सृजन और भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी।

भारत ने श्रमिकों, किसानों, एमएसएमई के लिए खाड़ी देश में अवसरों के द्वार खोले

पीयूष गोयल

एक जून से लागू हुआ भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस मिशन की एक निर्णायक उपलब्धि है, जिसका लक्ष्य नए बाजार खोलने और रोजगार सृजन को गति देने के जरिये भारत के छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के लिए वैश्विक समृद्धि के मार्ग बनाना है।

भारत और ओमान के बीच गहरे आर्थिक संबंध हैं और लोगों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। ओमान में लगभग 7 लाख भारतीय रहते हैं, जिनमें वे व्यापारी परिवार भी शामिल हैं, जिनकी जड़ें 200–300 साल पुरानी हैं। ओमान से भारत को भेजी जाने वाली वार्षिक धनराशि लगभग 2 बिलियन डॉलर है, जबकि देश में 6,000 से अधिक भारतीय उद्यम कार्यरत हैं।

दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करता है। यह तुरंत ही ओमान में 98त्न टैरिफ लाइनों के लिए 100 प्रतिशत शुल्क मुक्त बाजार पहुंच की सुविधा देता है, जिसमें 99.38 प्रतिशत निर्यात शामिल है।

यह सीईपीए से पहले की प्रणाली की तुलना में एक उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। पहले की प्रणाली में केवल 15.3 प्रतिशत भारतीय निर्यात ओमान में शून्य शुल्क के साथ प्रवेश कर सकते थे। भारत की ऐसी वस्तुएं, जिन पर वर्तमान में ओमान में 5 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है और जिनकी कीमत लगभग 3.64 बिलियन डॉलर के निर्यात के बराबर है, अब काफी अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगी।

भारत के एमएसएमई क्षेत्र के लिए, यह समझौता परिवर्तनकारी हो सकता है, क्योंकि सीईपीए से लाभान्वित होने वाले कई क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों की प्रमुखता है। लोहा और इस्पात, वस्त्र, चमड़ा, वाहन कल-पुर्जे और औद्योगिक उपकरण जैसे कुछ क्षेत्रों में एमएसएमई को बड़े अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्पादन, निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के युग में, सीईपीए भारतीय निर्यातकों को, जो आर्थिक मंदी और बढ़ते व्यापार बाधाओं का सामना कर रहे हैं, अपने बाजारों को विविध बनाने और परंपरागत बाजारों पर निर्भरता कम करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

रोज़गार सृजन – यह व्यापार समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण और कुछ इंजीनियरिंग क्षेत्रों को लाभ पहुँचाता है, जो भारत के प्रमुख रोजगार प्रदाता हैं।

ओमान को होने वाले वस्त्र निर्यात में वृद्धि से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और तिरुपुर, सूरत, लुधियाना, पानीपत, कोयंबटूर, करूर, भदोही, मुरादाबाद, जयपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख क्लस्टर में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। भारत भर के कारीगर और बुनकर भी अपने उत्पादों की उच्च अंतरराष्ट्रीय मांग से लाभान्वित होंगे।

भारत भर में, विशेष रूप से तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में, साथ ही महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों समेत चमड़ा और जूता के प्रमुख केंद्रों में भी रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

रत्न और आभूषण क्षेत्र एक अन्य उदाहरण है, जो दिखाता है कि सीईपीए रोजगार वृद्धि को किस प्रकार तेज करेगा। भारत के पास पहले से ही कटे और पॉलिश किए हुए हीरे, सोने और चांदी के आभूषण तथा हस्तनिर्मित आभूषण उत्पादन में मजबूत क्षमताएं हैं। शुल्क बाधाओं के हटने से, भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय और एशियाई प्रतिस्पर्धियों पर निर्णायक बढ़त मिलेगी। उद्योग जगत का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में ओमान को होने वाला निर्यात बढ़ कर 150 मिलियन डॉलर तक हो सकता है। इससे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात के आभूषण निर्माण केन्द्रों में महत्वपूर्ण रोजगार संभावनाएं सृजित होने की उम्मीद है।

किसान और मछुआरे - घरेलू किसानों और संवेदनशील कृषि हितों की सुरक्षा के लिए, भारत ने गेहूं, चावल, मक्का, मोटे अनाज, डेयरी, फल, सब्जियां, खाद्य तेल, तिलहन, चाय, कॉफी और शहद जैसे प्रमुख उत्पादों पर कोई टैरिफ छूट नहीं दी है।

घी, शहद, मीठे बिस्कुट, अंडे और कुछ मिष्ठान्न उत्पादों में भारत को प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा, जिससे देश के कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी।

यह समझौता भारत के राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) प्रमाणन की स्वीकृति और मान्यता भी प्रदान करता है, जो भारतीय किसानों को ओमान में, जो एक प्रमुख खाद्य आयातक है, जैविक उत्पाद बेचने के लिए विशाल अवसर देगा।

समुद्री उत्पादों में भी विशाल संभावनाएँ हैं, जिनका अब तक उपयोग नहीं हो पाया है। 2022 और 2024 के बीच ओमान का समुद्री उत्पादों का आयात लगभग 119 मिलियन डॉलर था। भारत से आयात केवल 7.75 मिलियन डॉलर था, जिससे भारतीय समुद्री खाद्य निर्यात जैसे झींगा और जमे हुए कटलफिश के लिए विशाल अवसर मौजूद हैं। श्रम-गहन समुद्री उत्पाद उद्योग मछली पकड़ने, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, शीत-श्रृंखला लॉजिस्टिक्स और निर्यात संचालन में अतिरिक्त नौकरियाँ उत्पन्न कर सकता है।

दवा और पारंपरिक चिकित्सा - यूएसएफडीए, ईएमए, यूके एमएचआरए और टीजीए जैसे नियामकों द्वारा अनुमोदित भारतीय दवाएं 90 दिनों के भीतर ओमान में स्वचालित विपणन प्राधिकार प्राप्त करेंगी — जो भारतीय फार्मा निर्यातकों के लिए एक बड़ी सफलता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि सीईपीए भारत की पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के लिए अवसर पैदा करता है। यह पारंपरिक चिकित्सा में संयुक्त अनुसंधान की व्यवस्था करता है।

सेवाएँ और आवागमन - समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू सेवा और आवागमन में निहित है। ओमान ने भारत के लिए विशिष्ट निर्यात क्षेत्रों में व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएँ व्यक्त की है, जिनमें पेशेवर सेवाएँ, कंप्यूटर और आईटी सेवाएँ, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, अनुसंधान और विकास तथा पर्यावरण सेवाएँ शामिल हैं। लेखा, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, निर्माण, शिक्षा और परामर्श जैसे क्षेत्रों में भारतीय पेशेवरों को बेहतर बाज़ार पहुँच से लाभ मिलने की उम्मीद है।

महत्त्वपूर्ण रूप से, ओमान ने भारतीय पेशेवरों और श्रमिकों के लिए आवागमन प्रतिबद्धताओं में वृद्धि पर सहमति व्यक्त की है। अंतर-कॉर्पोरेट स्थानांतरित कर्मियों और संविदा सेवा प्रदाताओं को चार साल तक रहने की अनुमति दी जाएगी, जबकि व्यवसाय आगंतुकों और स्वतंत्र पेशेवरों को आसान अस्थायी प्रवेश की सुविधा मिलेगी। इसने अंतर-कॉर्पोरेट स्थानांतरित कर्मियों के लिए ऊपरी-सीमा को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है।

दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करता है। यह तुरंत ही ओमान में 98त्न टैरिफ लाइनों के लिए 100 प्रतिशत शुल्क मुक्त बाजार पहुंच की सुविधा देता है

टिप्पणी

फुलाया गया गुब्बारा फूट चुका

फुटबॉल वर्ल्ड कप शुरू होने से सिर्फ दस दिन पहले फीफा को सस्ते में प्रसारण अधिकार बेचने पड़े हैं। यह घटनाक्रम बताता है कि भारतीय बाजार को लेकर फुलाया गया गुब्बारा अब फूट चुका है।

ज़ी ग्रुप का फिर से खेल प्रसारण के क्षेत्र में उतरना अच्छी खबर है। रिलायंस ग्रुप के डिज्नी हॉटस्टार को खरीद लेने और सोनी लिव के भारतीय बाजार में हाथ खींच लेने के बाद जियो-हॉटस्टार की लगभग मोनोपॉली बन गई थी। अब ज़ी ग्रुप ने 11 जून से शुरू हो रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप का टीवी एवं डिजिटल प्रसारण अधिकार खरीद कर फिर से प्रतिस्पर्धा की संभावना जगाई है। बहरहाल, इस क्रम में भारतीय खेल प्रसारण बाजार के सिकुड़ने के संकेत भी मिले हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 2022 के फीफा वर्ल्ड कप के प्रसारण का अधिकार रिलायंस ग्रुप के वायकॉम-18 एवं जियो सिनेमा ने तकरीबन छह करोड़ डॉलर में खरीदे थे।

अब चार साल ज़ी ने 2026 और 2030 के वर्ल्ड कप समेत फीफा के नौ टूर्नामेंट्स के प्रसारण का अधिकार सिर्फ साढ़े तीन करोड़ डॉलर में खरीद लिए हैं। बताया जाता है कि 2022 में वर्ल्ड कप प्रसारण के दौरान सिर्फ करीब 300 करोड़ रुपये के विज्ञापन ही जुटाए जा सके। इस कारण इस बार इस टूर्नामेंट का बाजार भाव गिर गया। फीफा ने आरंभिक कीमत सिर्फ 2026 के टूर्नामेंट के लिए 10 करोड़ डॉलर रखी थी। जियो हॉटस्टार ढाई करोड़ डॉलर से ज्यादा देने को तैयार नहीं हुआ। सोनी भी शुरुआती बातचीत के बाद मैदान से हट गया। तो टूर्नामेंट शुरू होने से सिर्फ दस दिन पहले फीफा को सस्ते में प्रसारण अधिकार बेचने पड़े।

यह घटनाक्रम बताता है कि भारतीय बाजार को लेकर फुलाया गया गुब्बारा अब फूट चुका है। कुछ समय पहले ये गौरतलब खबर आई थी कि जियो हॉटस्टार आईसीसी के साथ अपने क्रिकेट प्रसारण समझौतों पर फिर से सौदेबाजी करना चाहता है। इसका कारण है कि मीडिया अधिकार पाने की लागत बहुत अधिक (138 करोड़ रुपये प्रति मैच) पड़ी है, जबकि विज्ञापन राजस्व उतना नहीं है। आम समझ है कि अगले साल जब फिर से मीडिया अधिकार बिकेंगे, तो आईसीसी को पहले से कम भाव पर ये बिक्री करनी होगी। तो कुल मिला कर सिर्फ आईपीएल हॉट प्रोपर्टी बना हुआ है, हालांकि इस वर्ष उसकी टीवी दर्शक संख्या पर भी सवाल खड़े हुए हैं।

ब्लॉग

जंगलों से जननी सुरक्षा तक: सुरक्षित मातृत्व की राह पर बदलता छत्तीसगढ़

जगत प्रकाश नड्डा

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक पैमाना उसकी सड़कों, भवनों और उद्योगों से नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से तय होता है जो अपने सबसे संवेदनशील नागरिकों की रक्षा करती है। गर्भवती महिलाएं और नवजात शिशु किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होते हैं। जब एक मां सुरक्षित रहती है तो केवल एक जीवन नहीं बचता, बल्कि एक पूरे परिवार, समाज और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

भारत ने पिछले एक दशक में मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिस परिवर्तनकारी यात्रा को तय किया है, वह विश्व स्वास्थ्य क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उदाहरण के रूप में उभरी है। इस परिवर्तन के केंद्र में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) है, जिसने गर्भवती महिलाओं तक विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में एक व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लिया है। इस अभियान की सफलता की सबसे प्रभावशाली कहानियों में से एक छत्तीसगढ़ की है, जहां घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और दूरस्थ आदिवासी अंचलों के बीच मातृ स्वास्थ्य सेवाओं ने नई पहचान बनाई है।

दस वर्ष पहले जिन क्षेत्रों में गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच की कल्पना भी कठिन थी, वहां आज हर महीने की 9 तारीख मातृ स्वास्थ्य जागरूकता और चिकित्सकीय सेवाओं का प्रतीक बन चुकी है। यह बदलाव केवल योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, तकनीकी नवाचार, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता और जन-भागीदारी के सामूहिक प्रयासों की कहानी है।

9 जून 2016 को शुरू हुए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की अवधारणा सरल लेकिन प्रभावशाली थी। गर्भावस्था के नौ महीनों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक माह की नौ तारीख को गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष प्रसव पूर्व जांच दिवस के रूप में निर्धारित किया गया। इस दिन सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क जांच, परामर्श और आवश्यक परीक्षणों की व्यवस्था की जाती है।

इस पहल ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को नियमितता और पहचान दी। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और उनके परिवारों के लिए यह समझना आसान हुआ कि प्रत्येक माह की नौ तारीख स्वास्थ्य जांच के लिए निर्धारित है। परिणामस्वरूप प्रसव पूर्व जांच की पहुंच और स्वीकार्यता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आज देशभर में करोड़ों महिलाओं ने इस अभियान का लाभ उठाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि गर्भावस्था के दौरान समय पर जांच और जोखिमों की पहचान ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

छत्तीसगढ़ की भौगोलिक परिस्थितियां देश के अनेक राज्यों से भिन्न हैं। बस्तर, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और कांकेर जैसे जिलों के बड़े हिस्से वनाच्छादित हैं। कई गांव ऐसे हैं जहां बरसात के मौसम में पहुंचना बेहद कठिन हो जाता है। वर्षों तक इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती रहा।

आदिवासी अंचलों में पारंपरिक मान्यताओं और घरेलू प्रसव की प्रथा भी लंबे समय तक मातृ स्वास्थ्य सुधार की राह में बाधा बनी रही। कई महिलाएं गर्भावस्था के दौरान किसी प्रकार की चिकित्सकीय जांच नहीं कराती थीं। जटिलता होने पर अस्पताल पहुंचने में देर हो जाती थी और कई बार स्थिति गंभीर हो जाती थी।

यहीं से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान ने बदलाव की शुरुआत की। राज्य सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने संयुक्त रूप से रणनीति तैयार की कि जोखिम सामने आने के बाद नहीं, बल्कि उससे पहले उसकी पहचान की जाए। मोबाइल मेडिकल यूनिट्स, हाट-बाजार क्लीनिक, विशेष स्वास्थ्य शिविर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से विशेषज्ञ सेवाओं को गांवों तक पहुंचाया गया।

आज स्थिति यह है कि जिन क्षेत्रों में कभी स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सीमित थी, वहां गर्भवती महिलाओं का नियमित पंजीकरण, जांच और फॉलोअप संभव हो रहा है।

मातृ स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश गंभीर प्रसूति जटिलताएं अचानक नहीं होतीं। उनके संकेत गर्भावस्था के दौरान दिखाई देने लगते हैं। यदि समय पर पहचान हो जाए तो अधिकांश जोखिमों को नियंत्रित किया जा सकता है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान है। गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप, गर्भकालीन मधुमेह, पूर्व प्रसव संबंधी जटिलताएं, कम उम्र या अधिक उम्र में गर्भधारण तथा जुड़वा गर्भ जैसी स्थितियों को विशेष रूप से चिन्हित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ में अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान की गई है। इन मामलों को चिन्हित करने के बाद उन्हें उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों से जोड़ा जाता है ताकि प्रसव के समय किसी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न न हो।

यही कारण है कि राज्य के दूरस्थ जिलों में भी जटिल प्रसवों के सुरक्षित प्रबंधन की संभावना बढ़ी है। चिकित्सकों के अनुसार, समय पर रेफरल और नियमित निगरानी ने अनेक माताओं और नवजातों का जीवन बचाया है।

पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल तकनीक ने मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों को नई गति प्रदान की है। पीएमएसएमए पोर्टल के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की नाम आधारित ट्रैकिंग संभव हुई है। किसी भी स्वास्थ्य केंद्र में जांच के बाद जानकारी तत्काल ऑनलाइन दर्ज की जाती है।

यदि किसी महिला को उच्च जोखिम श्रेणी में रखा जाता है तो उसकी जानकारी संबंधित चिकित्सकीय इकाइयों तक पहुंच जाती है। इससे स्वास्थ्य तंत्र को पहले से तैयारी करने का अवसर मिलता है। प्रसव की संभावित तिथि, चिकित्सकीय स्थिति और आवश्यक सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध रहने से आपातकालीन परिस्थितियों का बेहतर प्रबंधन संभव हो पाता है।

छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में, जहां दूरी और परिवहन लंबे समय तक बड़ी चुनौती रहे हैं, डिजिटल निगरानी प्रणाली ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनाया है।

गांव की पगडंडी से अस्पताल तक, आशा कार्यकर्ताओं का असाधारण योगदान

यदि इस परिवर्तन की असली कहानी लिखी जाए तो उसमें सबसे प्रमुख स्थान अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का होगा। आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी इस पूरे अभियान की रीढ़ हैं।

आशा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण करती हैं, उन्हें नियमित जांच के लिए प्रेरित करती हैं और आवश्यकता पड़ने पर स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में सहायता करती हैं। कई दूरस्थ गांवों में उन्होंने सामाजिक मान्यताओं को बदलने और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पोषण संबंधी निगरानी करती हैं, जबकि एएनएम टीकाकरण, प्राथमिक जांच और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करती हैं। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रारंभिक स्तर पर जोखिमों की पहचान कर विशेषज्ञ चिकित्सकों से समन्वय स्थापित करते हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का मानना है कि इन कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता के बिना मातृ स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार की कल्पना संभव नहीं थी। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की सफलता केवल एक योजना की उपलब्धि नहीं है। इसकी प्रभावशीलता विभिन्न स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के समन्वय से बढ़ी है।

जननी सुरक्षा योजना संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन देती है। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम सरकारी अस्पतालों में प्रसव, दवाइयों, जांचों और परिवहन को निःशुल्क उपलब्ध कराता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पोषण संबंधी सहायता प्रदान करती है, जबकि आयुष्मान भारत गंभीर मामलों में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

इन सभी योजनाओं ने मिलकर गर्भवती महिलाओं के लिए एक ऐसा सुरक्षा तंत्र तैयार किया है जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर आर्थिक सहायता और पोषण तक सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।

बस्तर संभाग के कई गांवों में आज भी ऐसे परिवार मिल जाते हैं जो कुछ वर्ष पहले तक अस्पताल में प्रसव कराने से हिचकते थे। लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां बदली हैं।

सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जैसे जिलों में नियमित स्वास्थ्य शिविरों और सामुदायिक संवाद कार्यक्रमों ने विश्वास का वातावरण बनाया। जिन महिलाओं को पहले अस्पताल जाने में संकोच होता था, वे अब गर्भावस्था की शुरुआत से ही स्वास्थ्य जांच करा रही हैं।

कई मामलों में समय पर जांच के दौरान गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप या भ्रूण की असामान्य स्थिति की पहचान हुई और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जा सका। ऐसी हजारों कहानियां आज छत्तीसगढ़ के गांवों में सुनाई देती हैं जहां मातृत्व अब भय नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा से जुड़ा अनुभव बन रहा है।

मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। दूरस्थ क्षेत्रों तक वर्षभर निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाना, प्रसवोत्तर देखभाल को और मजबूत बनाना तथा शहरी गरीब बस्तियों तक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना अभी भी प्राथमिकताएं हैं।

ड्रोन आधारित आपूर्ति प्रणाली, टेलीमेडिसिन, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड और प्रशिक्षित मिडवाइफरी सेवाओं का विस्तार आने वाले वर्षों में मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों को और मजबूत बना सकता है।

छत्तीसगढ़ ने यह सिद्ध किया है कि कठिन भूगोल और सीमित संसाधनों के बावजूद यदि नीति, तकनीक और सामुदायिक भागीदारी एक साथ काम करें तो स्वास्थ्य क्षेत्र में असाधारण परिवर्तन संभव है। आज जब हर महीने की 9 तारीख को राज्य के हजारों स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती महिलाएं जांच के लिए पहुंचती हैं, तो यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि उस भरोसे का प्रतीक है कि सुरक्षित मातृत्व प्रत्येक महिला का अधिकार है। बस्तर के जंगलों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक फैलती यह नई स्वास्थ्य चेतना वास्तव में विकसित भारत और सशक्त छत्तीसगढ़ की आधारशिला बन रही है।

बरेली में आंधी से पेट्रोल पंप की छत उड़ी, सैकड़ों खंभे और पेड़ गिरे

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली में बुधवार रात करीब 10 बजे 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चली तेज आंधी और बारिश ने शहर से लेकर देहात तक भारी तबाही मचाई। इस प्राकृतिक आपदा से शहर की बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। आंधी के कारण दो सौ से अधिक पेड़ गिर गए। 125 बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। कई इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। आंधी का सबसे ज्यादा असर शहर की बुनियादी सुविधाओं पर पड़ा। शाहजहांपुर सड़क पर स्थित भारत पेट्रोल पंप की छत उड़ गई।

पीलीभीत बाइपास पर पासपोर्ट कार्यालय के सामने लगा विज्ञापन बोर्ड भी झुक गया। पीलीभीत बाइपास पर एक बरातघर का गेट टूट गया और श्यामगंज में एक छत गिर गई। मलूकपुर इलाके में छत पर लगा सौर ऊर्जा पैनल भी उड़ गया। ट्यूलिप टावर के बाहर बिजली का पोल गिरा। सेटेलाइट, लाल फाटक और अवैद्यनाथ द्वार पर भी कई पेड़ गिरे। सड़क पर पेड़ गिरने से सुरेश शर्मा नगर और रोहिलखंड चिकित्सा महाविद्यालय सड़क पर आवागमन बाधित रहा। इस दौरान एक ऑटो चालक घायल हो गया।

शहर में एडीजी कार्यालय के बाहर सड़क पर पेड़ गिर गया। सीबीगंज थाने में भी पेड़ गिरने से एक सिपाही की बुलेट मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। पीलीभीत बाइपास, बदायूं सड़क और नैनीताल राजमार्ग सहित कई स्थानों पर यूनिपोल भी गिर गए।

मौसम विभाग का यलो अलर्ट

मौसम विभाग ने रुहेलखंड क्षेत्र के लिए शनिवार तक तेज हवा के साथ बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इससे क्षेत्र के तापमान में कमी आने की संभावना है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ अतुल कुमार ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से 13 जून तक तेज हवाएं चलेंगी। अनुकूल माहौल बनने पर आगे भी बारिश की संभावना है। इससे पारे में पांच से सात डिग्री की प्रभावी कमी आ सकती है, जिससे गर्मी से राहत मिलेगी। बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 40.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान एक डिग्री अधिक 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दीवार गिरने से चार लोग दबे, दो गम्भीर

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर बिहरोजपुर गांव में भोर में आये तेज आंधी तूफान एक मकान की दीवार सटे हुए मकान व पतरे पर गिर गयी।जिसमे दबकर एक मासूम सहित चार लोग घायल हो गए।घायलों में दो लोगों की चोट गम्भीर बतायी जा रही है। उक्त गांव निवासी जगधारी यादव व पंधारी यादव के मकान से सटकर उनके पड़ोसी जगदीश यादव का मकान है।भोर में आये आंधी तूफान में पंधारी व जगधारी यादव के मकान की एक दीवार जगदीश यादव के मकान तथा मकान से लगे तीन सेड पर गिर गयी।दीवार गिरने से जगदीश का तीन सेड तथा मकान की दीवार गिर गयी।जिसके नीचे सो रही जगदीश यादव की पत्नी रेखा देवी 45 वर्ष, उनकी पुत्री प्रिया याद6 18 वर्ष, तथा उनका 18 वर्षीय पुत्र तथा छह वर्षीय नाती दब गए।दीवार गिरने के बाद शोर शराबा होने लगा।आनन फानन में गांव के लोग मौके पर पहुंचकर सभी को मलबे से बाहर निकाला।उसके बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया।वहां पर गम्भीर रूप से घायल रेखा देवी तथा प्रिया यादव को भर्ती करके उपचार चल रहा है।बाकी दोनो को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया।

चोरी के बाद चंपत हो गए अविमुक्तेश्वरानंद ने बताया चंपत का मतलब, नाम लेकर कसा तंज

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने राम मंदिर में दान के रुपयों की कथित चोरी पर बयान दिया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने चंपत राय का नाम लेकर तंज कसा है और उनके नाम का मतलब बताया है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा है कि अयोध्या में तो भूमिपूजन के समय से आज तक निरंतर चोरी ही तो हो रही है। चम्प का मतलब होता है लेकर भाग जाना। चम्पत हो गए, लेकर भाग गए। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि चोरी हुई है, ये बात वहीं से निकल कर आई है। कोई आज से नहीं, शिलापूजन से ही चोरी हो रही है। दो-दो मिनट में लाख-लाख के प्लॉट करोड़ के हो जाते थे। चम्प धातु है, जिससे चंपत शब्द बना है। चम्प का मतलब वही होता है लेकर भाग जाना। चम्पत हो गए, लेकर भाग गए। बता दें कि चंपत राय श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव हैं।

कमल नयन दास ने भी साधा निशाना

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अध्यक्ष के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने भी इस पूरे मामले को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि है कि मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। जो कुछ भी है उसकी जांच अच्छे ढंग से होनी चाहिए और जो दोषी हो उनको दंड मिलना चाहिए। कमल नयन दास ने कहा कि जिसकी साइकिल पर चलने का ठिकाना नहीं, आज उनकी बड़ी-बड़ी बिल्डिंग है। हमे विश्वास है मुख्यमंत्री ईमानदार हैं, इस पर जरूर एक्शन लेंगे। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि जांच हो। बहुत बदनामी हो रही है। न्यायिक जांच होनी चाहिए।

क्या है पूरा मामला?

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में दावा किया था कि राम मंदिर में भक्तों द्वारा चढ़ाए गए करोड़ों रुपये के चढ़ावे का हिसाब-किताब साफ नहीं है और राशि गायब होने के आरोप लगाए थे। चंपत राय ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा था कि सभी लेन-देन पारदर्शी तरीके से हो रहे हैं और ऑडिट हो रहा है। हालांकि उनके बयान से विपक्ष संतुष्ट नहीं दिखा और सोशल मीडिया पर सवालों सवाल उठाया मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्र सरकार और योगी आदित्यनाथ सरकार दोनों स्तर पर नजर रखे हुए है। राम मंदिर देश के करोड़ों भक्तों की आस्था का केंद्र है। ऐसे में चढ़ावे की राशि को लेकर उठ रहे सवालों को गंभीरता से लिया जा रहा है।

मारपीट में एक की मौत, चार लोग घायल

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के कौली गांव में बुधवार की रात भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई हिंसक मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। कौली गांव निवासी 48 वर्षीय अजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू का पड़ोसी दानबहादुर शर्मा और तेजबहादुर शर्मा समेत अन्य लोगों से जमीन को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी ने उग्र रूप धारण कर लिया और दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चलने लगे। आरोप है कि हमले में अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। अजय के घायल होने की सूचना मिलने पर उनके रिश्तेदार एवं पड़ोसी गांव के निवासी अखिलेश सिंह, हिमांशु सिंह, शिवम सिंह और आकृति सिंह भी मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि विपक्षी पक्ष ने उन पर भी हमला कर दिया, जिससे सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर जुटे ग्रामीणों ने सभी घायलों को तत्काल नौपेड़वा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

मासूम की मौत पर उठे सवाल, मां ने कबूला जुर्म, पिता की मौजूदगी में गड्ढे से निकाला गया रुद्रांश का शव

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के मुंडाली थाना क्षेत्र के मुरलीपुर फूल गांव में सात महीने के मासूम रुद्रांश की मौत का मामला सनसनीखेज मोड़ पर पहुंच गया है। बच्चे की मौत के बाद दफनाए गए शव को प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में बाहर निकाला गया। मामले में मां पर ही अपने बेटे की हत्या का आरोप है। अब चिकित्सकों का पैनल पोस्टमार्टम कर मौत के कारणों की पुष्टि करेगा।

मुरलीपुर फूल गांव निवासी अमित तोमर एक चिकित्सक के यहां चालक के रूप में कार्यरत हैं। उनके अनुसार उनकी पत्नी मीनाक्षी के किसी अन्य युवक से संबंध होने की जानकारी मिलने के बाद परिवार में विवाद चल रहा था। अमित का कहना है कि 30 मई को उन्हें सूचना मिली थी कि उनके सात महीने के बेटे रुद्रांश की तबीयत खराब होने से मृत्यु हो गई है। इसके बाद परिजनों ने बच्चे के शव को गांव के तालाब के पास दफना दिया था।

चिकित्सकों का पैनल करेगा पोस्टमार्टम

पुलिस अधिकारियों के अनुसार शव का चिकित्सकों के पैनल द्वारा पोस्टमार्टम कराया जाएगा और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि की जाएगी।पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत की बात पर सामने आया कथित कबूलनामा

परिजनों के अनुसार बच्चे की मौत को लेकर संदेह बना हुआ था। आरोप है कि जब पुलिस में शिकायत की बात उठी तो महिला ने बच्चे की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मामले में महिला के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। वहीं मामले से जुड़े एक अन्य व्यक्ति की तलाश भी की जा रही है।

अधिकारियों की मौजूदगी में निकाला गया शव

बुधवार को प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल की मौजूदगी में बच्चे के शव को गड्ढा खोदकर बाहर निकाला गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे। पिता अमित तोमर ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि मासूम को न्याय मिलना चाहिए।

यूपी में 25 सेकंड में डबल मर्डर

व्यापारी के पेट में दो, जांघ में एक, विकास के दिल में धंसी एक गोली, बड़ा खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। बागपत के बड़ौत के टेंट व्यापारी सोहनलाल अग्रवाल और उनके बेटे विकास अग्रवाल की हत्या तीन-तीन गोली मारकर की गई। इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ। व्यापारी सोहनलाल अग्रवाल के पेट में दो और जांघ में एक गोली मिली है, जबकि बेटे विकास अग्रवाल के कंधे में लगी गोली दिल में धंसी मिली। वहीं उसको दो गोली लगने के बाद बाहर निकल गई थीं।

मंगलवार को दुकान पर बैठे टेंट व्यापारी सोहनलाल अग्रवाल पर हिस्ट्रीशीटर वरुण ने काउंटर के पास खड़े होकर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। इसी बीच घर से बाहर निकलकर आया उनका बेटा विकास भी बदमाशों से भिड़ गया। वरुण के साथ आए दूसरे बदमाशों ने कई गोली मारकर उसकी भी हत्या कर दी। मंगलवार देर रात तीन चिकित्सकों के पैनल ने दोनों का पोस्टमार्टम किया और उसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई। पुलिस के अनुसार, व्यापारी के पेट में तीन गोली लगने के तीन निशान मिले, जिसमें दो गोली पेट के अंदर मिल गईं और तीसरी गोली पेट में लगने के बाद जांघ में चली गई थी।

उनके बेटे विकास अग्रवाल को भी तीन गोली लगी मिलीं। इसमें एक गोली हाथ में लगकर बाहर निकल गई। दूसरी गोली भी कमर में लगकर बाहर निकल गई। इसके अलावा तीसरी गोली कंधे में लगी, जो विकास अग्रवाल के दिल में धंसी मिली। इन सभी गोलियों को पोस्टमार्टम में निकाला गया।

पुलिस के अनुसार, व्यापारी सोहनलाल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि उनको तीन गोलियां लगी हैं। पेट में दो और एक गोली जांघ में लगी थी। उनके बेटे विकास को एक गोली सीने में, दूसरी गोली पीठ और तीसरी गोली हाथ में लगी है। हिस्ट्रीशीटर वरुण लुहारी को कई गोलियां लगने की बात बताई जा रही है। उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी पुलिस को नहीं मिली है।

भाई बोला, कचहरी के पास वरुण लुहारी ने खुलेआम दी थी धमकी

बड़ौत में टेंट व्यापारी सोहनलाल अग्रवाल और उनके बेटे विकास की हत्या के बाद परिवार वालों में अपनों को खोने का गम व अपराधियों को लेकर गुस्सा दोनों दिख रहा है। व्यापारी सोहनलाल अग्रवाल के बड़े भाई राजेश अग्रवाल ने दस साल पहले हुई घटना के बाद की आपबीती बताई। उन्होंने कहा कि चार साल पहले कचहरी में तारीख पर जाते समय हिस्ट्रीशीटर वरुण ने पैरवी करने पर हत्या करने की धमकी दी थी। इसके बाद से उनके भाई और भतीजे डरते हुए कचहरी जाते थे। राजेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि दस साल पहले हुई घटना के बाद परिवार भयभीत हो गया था। इसके बाद वर्ष 2017 में उनकी दुकान पर आकर धमकी दी। इसके बाद दोबारा भी धमकी दी गई। इसकी शिकायत भी पुलिस से की गई थी। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले वरुण के जेल से जमानत पर बाहर आने की जानकारी होने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की।

पिता और भाई के शव से लिपटकर रोई दिव्या

टेंट व्यापारी सोहनलाल अग्रवाल व उनके बेटे विकास का शव पोस्टमार्टम के बाद बुधवार सुबह घर पहुंचने से पहले ही वहां रिश्तेदारों, व्यापारियों की भीड़ जमा थी। घर के आंगन में रखे शवों को देखकर सोहनलाल की मूकबधिर बेटी दिव्या कभी पिता के शव से लिपटकर तो कभी भाई के शव से लिपटकर रोती। यह सब देखकर वहां मौजूद सभी लोगों की आंखों से आंसू बहने लगे। व्यापारी सोहनलाल की एक बेटी है, जो बचपन से न बोल सकती है और न सुन सकती है। केवल इशारों से बातों को समझती है। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद पिता-पुत्र के शवों को घर पर लाया गया और उनको घर के आंगन में रख दिया गया। शवों को देखकर दिव्या खुद को संभाल नहीं पाई और लोगों की भीड़ से निकलकर पिता व भाई के शव से लिपटकर रोती रही। वहीं दिव्या की माता उषा तो पति व बेटे की मौत से बेसुध हैं। वह कुछ न बोलती हैं और न रोती हैं, बस एक टक देखती रहती हैं।

दस साल पहले गेट में लगी गोली दे रही घटना की गवाही

दस साल पहले टेंट व्यापारी के घर पर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग के निशान अभी भी हैं। उस समय एक गोली व्यापारी के मकान के दरवाजे में लगी, जबकि दूसरी दीवार में घुस गई थी। बुधवार को व्यापारी के घर आए लोग भी गोली का निशान देखते रहे। उस निशान को अभी तक वहां से खत्म नहीं किया गया है।

50 करोड़ का व्यापार प्रभावित

बाजार सुबह करीब दो घंटे बंद रखकर व्यापारियों ने पहले धरना दिया इसके बाद जुलूस निकालकर दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे पर 10 मिनट तक मानव श्रृंखला बनाई। पुलिस ने उनको समझाकर हटाया। इसके बाद बाजार खोला गया। बड़ौत में व्यापारियों ने दिनभर बाजार बंद रखा। नेहरू की प्रतिमा तक जुलूस निकालकर दो घंटे धरना दिया और फरार बदमाशों के एनकाउंटर की मांग की गई। अग्रवाल मंडी टटीरी, छपरौली समेत अन्य कस्बों के व्यापारियों ने बाजार बंद करके धरना दिया। लघु उद्योग भारती के जिलाध्यक्ष डॉ. योगेश जिंदल ने कहा कि बृहस्पतिवार को सभी बाजार खोले जाएंगे। दोपहर में बैठक करके आगे के लिए निर्णय लिया जाएगा। जिले में कई जगहों पर बाजार बंद रहने से करीब 50 करोड़ रुपये का व्यापार प्रभावित होने का अनुमान है।

हिस्ट्रीशीटर के पिता को जेल भेजा

टेंट व्यापारी सोहन लाल और उनके बेटे विकास की हत्या में उनके भाई ने हिस्ट्रीशीटर वरुण निवासी लुहारी, उसके भाई करुण, पिता बाबूराम, साथी सचिन उर्फ मोंटू निवासी गुराना, जयंत उर्फ गोलू निवासी लुहारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। इसमें हिस्ट्रीशीटर वरुण की मौत हो गई, जबकि पुलिस ने दबिश देकर उसके पिता सेवानिवृत्त शिक्षक बाबूराम को गिरफ्तार कर लिया पुलिस की 10 टीमों ने अन्य वांछित हत्यारोपियों की तलाश में कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश दी, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने जंगल में 100 से ज्यादा नलकूपों पर भी छापामारी की। इसमें सीओ अंशु जैन ने बताया कि बुधवार को हत्यारोपी बाबूराम को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। दूसरे आरोपी हिस्ट्रीशीटर वरुण की मौत हो गई। अन्य हत्यारोपियों की तलाश में कई टीमों को लगाया गया है।

पत्नी के प्रताड़ना से युवक जहर खाकर मरा

जौनपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के हनुमान घाट मोहल्ले से मानसिक प्रताड़ना से ऊबे युवक द्वारा आत्मघाती कदम उठाने की घटना सामने आई है। पारिवारिक कलह और मानसिक प्रताड़ना से परेशान एक युवक ने कथित रूप से जहर पीकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। आत्महत्या से पहले युवक द्वारा बनाया गया एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उसने अपनी पत्नी, साली और सास पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतक 27 वर्षीय वासु सेठ उर्फ रमन पुत्र महेश सेठ, निवासी हनुमान घाट, थाना कोतवाली, की उसकी शादी लगभग आठ वर्ष पूर्व भदोही जनपद के नवघन ऊज गांव में हुई थी। दंपति के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं, जिनके सिर से अब पिता का साया उठ गया है। वायरल वीडियो में युवक बेहद भावुक और टूटे हुए मन से अपनी पीड़ा व्यक्त करता दिखाई दे रहा है।

सर्वाधिक युवाओं को रोजगार दे रही सरकार

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गुरुवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा प्रशिक्षण प्रदाता उद्योग विकास संस्थान के मियांपुर प्रशिक्षण केंद्र पर कौशल प्रदर्शनी एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि संदीप सिंह ने कहा कि केंद्र कि मोदी सरकार ने पिछले 12वर्षों मे आजादी के बाद से सर्वाधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने का कार्य किया हैं, वर्तमान मे मोदी चुने गए प्रधानमंत्री के रूप मे सर्वाधिक समय तक कार्य करने वाले प्रधानमंत्री बन गए है। विशिष्ट अतिथि राजेश मौर्य ने छात्राओं को वर्तमान परिवेश मे हुनरमंद होने कि जरूरत के बारे मे बताया.एमआईएस मैनेजर अनूप पांडे ने यूपीएसडीएम के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के बारे मे बताया.उद्योग विकास संस्थान के प्रोजेक्ट हेड राजीव पाठक ने छात्राओं को कौशल विकास मिशन के कोर्स पूरा करने पर मिलने वाले सर्टिफिकेट के लाभ के बारे मे बताया.इस अवसर पर यूपीएसडीएम से सुरेंद्र सिंह, गौरव श्रीवास्तव सौरभ पाण्डेय अजय दीक्षित आदित्य साहू सैयद मेहंदी अब्बास व अनुज पटेल समेत कौशल विकास के छात्राएं उपस्थित रहे।

फट गए टायर, रिम पर दौड़ाई पिकअप गाड़ी, फिर भी न बच सके गोतस्कर, 30km पीछा कर दबोचे

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। आगरा-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह करीब 30 किलोमीटर तक गोरक्षकों और पुलिस ने गोतस्करों का पीछा किया। मैक्स पिकअप का टायर फटने पर कूदकर भागने के चक्कर में दो गोतस्कर घायल हो गए। वहीं एक अलग कार में चल रहे उनके दो अन्य साथियों ने गोरक्षकों को गाड़ी से कुचलने का प्रयास किया लेकिन कार पिकअप से टकरा गई। कार सवार दो आरोपियों में एक भागते समय घायल होकर गिर पड़ा जबकि एक भाग गया। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पिकअप से छह गोवंश मुक्त कराए हैं।

सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स के सदस्य श्रेयस अपने साथियों के साथ बुधवार सुबह करीब 4 बजे जैत के पास सुनरख कट पर मौजूद थे। उन्हें एक पिकअप में गोवंश होने का शक हुआ। गोरक्षकों ने गाड़ी रोकने का इशारा किया तो चालक गाड़ी भगाने लगा। पीछा करने के दौरान छाता के पास तस्करों ने गोरक्षकों की गाड़ी में टक्कर मार दी। हालांकि गोरक्षक बाल-बाल बच गए। तस्करों की गाड़ी जैसे ही कोसी रेस्टोरेंट के पास पहुंची, अचानक पिकअप का टायर बस्ट हो गया।

इधर पुलिस और गोरक्षकों को पीछे आता देख चलती पिकअप से दो आरोपी ही कूद गए, जिससे वे चोटिल होकर मौके पर ही गिर पड़े। इधर एक सेंट्रो कार के चालक ने गोरक्षकों पर बैक गियर में तेजी से गाड़ी चलाकर कुचलने का प्रयास किया लेकिन कार अनियंत्रित होकर पिकअप के पिछले हिस्से से टकरा गई। कार सवार दोनों आरोपी भी कूदकर भागने लगे, जिसमें से चालक पत्थर से टकराकर गिर गया, जबकि उसका दूसरा साथी भाग गया। पुलिस ने तीनों घायलों को हिरासत में लिया और पिकअप में से क्रूरतापूर्वक रस्सियों से बंधे 6 गोवंशों को मुक्त कराया।

पकड़े गए तस्करों ने अपने नाम मध्य प्रदेश के मंदसौर निवासी रहीम, नियाजू और सैंट्रो कार चालक ने हरियाणा के पलवल के थाना उटावड़ के मड़ाई निवासी तालिम बताए हैं। आरोपियों ने बताया कि इन गायों को आगरा से नूंह (मेवात) ले जा रहे थे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

पीरियड्स हाइजीन से जुड़ी वो आम गलतियां जो ज्यादातर लड़कियां करती हैं

पीरियड्स के दौरान साफ-सफाई का सबसे जरूरी होती है। नहीं तो संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। लेकिन इसके बाद भी कई लड़कियां कुछ आम गलतियां कर देती है। इस आर्टिकल में उन्हीं गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं।

पीरियड्स यानी मासिक धर्म के दौरान साफ-सफाई का खास रखने की सलाह दी जाती है। लेकिन इसके बावजूद भी लकड़ियां कुछ ऐसी गलतियां कर देती हैं, जो सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। 2023 के एक BMC Womens Health अध्ययन के अनुसार, भारत में अब भी बड़ी संख्या में युवा महिलाएं अनहाइजीनिक मेंस्ट्रुअल सामग्री का उपयोग करती हैं, जो संक्रमण के जोखिम को बढ़ा सकता है। सही पीरियड हाइजीन न केवल आरामदायक महसूस कराती है, बल्कि प्रजनन स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए रखने में मदद करती है।यही वजह है कि एक्सपर्ट भी सलाह देते हैं कि लंबे समय तक एक ही सैनिटरी पैड का इस्तेमाल से लेकर हाथों की सफाई पर ध्यान देने की कितनी जरूरत होती है।

क्योंकि इन छोटी-छोटी लापरवाहियों का असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, इसलिए पीरियड्स के दौरान सही हाइजीन आदतों को अपनाना बेहद जरूरी है। चलिए इस आर्टिकल में आपको भी बताते हैं पीरियड्स से जुड़ी कुछ ऐसी ही आम गलतियां जो जिनसे हर महिला को बचने की जरूरत है।

बहुत ज्यादा इंटिमेट वॉश का इस्तेमाल करना

पीरियड्स के दौरान कुछ लड़कियां ज्यादा ही हाईजीन मैंटेन के चक्कर में बहुत ज्यादा इंटिमेट वॉश का इस्तेमाल करती हैं। जो की सबसे बड़ी गलती है। क्योंकि ज्यादा इंटिमेट का इस्तेमाल वजाइना का नेचुरल ph बैलेंस बिगाड़ सकता है। इससे जलन, खुजली और संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है।

रातभर एक ही पैड या टैम्पोन लगाए रखना

रात को सोने के दौरान अक्सर महिलाएं पैड या टैम्पोन लगाकर सो जाती है, जिससे करीब 8-10 घंटे वो एक ही पैड और टैम्पोन पर गुजार देती है। लेकिन ऐसा करना संक्रमण के खतरे को बढ़ाता है। क्योंकि फ्लो कम होने पर भी लंबे समय तक एक ही पैड का इस्तेमाल करना बैक्टीरिया की को बढ़ावा दे सकता है, जिससे त्वचा पर रैशेज जैसी समस्या पैदा हो सकती है।

पीरियड्स के दौरान पानी कम पीना

यह एक ऐसी गलती है जिसके बारे में कम ही बात होती है। कई महिलाएं ब्लोटिंग के डर से पानी कम पीती हैं, जबकि पर्याप्त पानी न पीने से शरीर में डिहाइड्रेशन बढ़ सकता है और सिरदर्द, थकान व कब्ज जैसी समस्याएं अधिक परेशान कर सकती हैं।

गीले या सिंथेटिक अंडरगारमेंट्स पहनना

पीरियड्स में नमी पहले से ज्यादा रहती है। ऐसे में लंबे समय तक गीले या पूरी तरह सिंथेटिक फैब्रिक वाले अंडरगारमेंट्स पहनने से बैक्टीरिया और फंगल संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसलि कॉटन अंडरवियर बेहतर ऑप्शन माना जाता है।

पैड बदलने से पहले और बाद में हाथ न धोना

कई लड़कियां जल्दबाजी में पैड बदलने से पहले या बाद में हाथ साफ नहीं करतीं। इससे हाथों पर मौजूद बैक्टीरिया Genitals (जेनिटल्स) तक पहुंच सकते हैं और संक्रमण का खतरा बढ़ा सकते हैं।

एसिडिटी से परेशान हैं तो अपनाएं ये 5 घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

एसिडिटी एक आम पाचन समस्या है, जो कई लोगों को प्रभावित करती है। यह समस्या गलत खान-पान, मानसिक तनाव और जीवनशैली में बदलाव के कारण हो सकती है। एसिडिटी के लक्षणों में सीने में जलन, पेट फूलना, गैस बनना और उल्टी आना शामिल हैं। इस लेख में हम कुछ सरल और असरदार घरेलू नुस्खे बताएंगे, जो आपको इस समस्या से आराम दिला सकते हैं।

अदरक का सेवन करें

अदरक एक प्राकृतिक औषधि है, जो एसिडिटी को कम करने में मदद कर सकती है। इसके लिए आप ताजे अदरक का रस निकालकर उसमें थोड़ा शहद मिलाकर पी सकते हैं या फिर अदरक की चाय बना सकते हैं। अदरक के सेवन से पेट की गैस निकलने में मदद मिलती है और सीने की जलन भी कम होती है। इसके अलावा अदरक का सेवन पाचन प्रक्रिया को भी सुधारता है।

तुलसी के पत्ते चबाएं

तुलसी के पत्ते चबाना भी एक अच्छा उपाय हो सकता है। तुलसी में मौजूद तत्व पेट की गैस को कम करने में सहायक होते हैं। इसके लिए कुछ तुलसी के पत्ते लेकर उन्हें अच्छी तरह चबाएं और फिर निगल लें। आप चाहें तो तुलसी की चाय भी बना सकते हैं। इसके लिए एक कप पानी में कुछ तुलसी के पत्ते डालकर उबालें और इसे छानकर पी लें।

पुदीने की चाय पिएं

पुदीने की चाय पेट की गैस निकालने में मदद कर सकती है। इसके लिए एक कप पानी में कुछ पुदीने की पत्तियां डालकर उबालें और इसे छानकर पी लें। पुदीने की चाय पीने से पेट का दर्द भी कम होता है और पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है। आप चाहें तो इसमें थोड़ा शहद मिला सकते हैं ताकि इसका स्वाद बेहतर हो जाए। नियमित रूप से पुदीने की चाय पीने से एसिडिटी की समस्या में काफी आराम मिलता है।

नारियल पानी पिएं

नारियल पानी एक प्राकृतिक पेय है, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखती है और पेट की गैस निकालने में मदद करती है। रोजाना सुबह खाली पेट एक गिलास नारियल पानी पीने से पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है और एसिडिटी की समस्या कम होती है। इसके अलावा नारियल पानी पीने से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और थकान दूर होती है। यह एक पोषक तत्वों से भरपूर पेय है, जो आपको तरोताजा महसूस कराता है।

नींबू पानी पिएं

नींबू पानी विटामिन-सी का अच्छा स्रोत होता है, जो पाचन प्रक्रिया को सुधारता है और एसिडिटी को कम करता है। इसके लिए एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पी लें। आप चाहें तो इसमें थोड़ा शहद मिला सकते हैं ताकि इसका स्वाद बेहतर हो जाए। नियमित रूप से नींबू पानी पीने से न केवल एसिडिटी की समस्या में आराम मिलता है बल्कि यह आपके शरीर को ताजगी भी प्रदान करता है।

लोहे की कढ़ाई खरीदने जा रहे हैं? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

लोहे की कढ़ाई भारतीय रसोई में एक अहम बर्तन है। यह न केवल खाना पकाने में मददगार होता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। लोहे की कढ़ाई में खाना अधिक पौष्टिक और स्वादिष्ट बनता है। बाजार में कई प्रकार की कढ़ाई उपलब्ध हैं, और सही चुनाव करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। आइए जानते हैं कि लोहे की कढ़ाई खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भारी और मजबूत होनी चाहिए कढ़ाई

जब भी आप लोहे की कढ़ाई खरीदें, तो उसे भारी और मजबूत चुनें। भारी कढ़ाई गर्मी को समान रूप से फैलाती है, जिससे खाना अच्छी तरह पकता है और जलता नहीं है। मजबूत कढ़ाई लंबे समय तक चलती है और टूटती नहीं है। हल्की कढ़ाई जल्दी खराब हो सकती है और उसकी सतह खुरच सकती है, जिससे सेहत पर असर पड़ सकता है।

जंग से बचाव के लिए कोटिंग

लोहे की कढ़ाई पर जंग से बचाव के लिए कोटिंग होना जरूरी है ताकि वह जंग न लगे। जंग लगने पर कढ़ाई का उपयोग सुरक्षित नहीं रहता। इसलिए खरीदने से पहले जांच लें कि कढ़ाई पर जंगरोधी कोटिंग है या नहीं। इस प्रकार की कोटिंग वाली कढ़ाई लंबे समय तक टिकती है और उसमें खाना पकाने से सेहत पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। इसके अलावा यह कढ़ाई साफ-सफाई में भी आसान होती है।

हैंडल की जांच करें

कढ़ाई के हैंडल की जांच करना भी जरूरी है क्योंकि अगर हैंडल मजबूत नहीं होगा तो पकाते समय हाथ जल सकते हैं या गिरने का खतरा रहता है। इसलिए खरीदने से पहले सुनिश्चित करें कि हैंडल अच्छी गुणवत्ता का हो और अच्छी तरह से जुड़ा हुआ हो। हैंडल ऐसा होना चाहिए, जिससे पकड़ने में आसानी हो और गर्मी का असर न हो। इससे खाना पकाते समय कोई परेशानी नहीं होगी और आप आराम से खाना बना सकेंगे।

तले की मोटाई पर दें ध्यान

लोहे की कढ़ाई के तले की मोटाई भी महत्वपूर्ण होती है। मोटा तला गर्मी को बेहतर तरीके से बनाए रखता है और खाना जलता नहीं है। पतला तला जल्दी गर्म होता है लेकिन उसमें खाना जलने का खतरा रहता है। इसलिए मोटा तला ही चुनें, जो आपके लिए उपयुक्त हो। मोटा तला न केवल खाना पकाने में मदद करता है बल्कि लंबे समय तक टिकाऊ भी रहता है।

आकार पर ध्यान दें

आकार भी एक अहम पहलू होता है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। छोटे आकार की कढ़ाई रोजमर्रा की छोटी मात्रा के लिए उपयुक्त होती हैं जबकि बड़े आकार की कढ़ाई परिवार या मेहमानों के लिए बेहतर होती हैं। अपने आवश्यकतानुसार सही आकार चुनें ताकि आपको हर बार सही मात्रा में खाना बनाने में सुविधा हो। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप अपनी जरूरतों के अनुसार सबसे अच्छी लोहे की कढ़ाई खरीद सकते हैं।

मानसून से पहले साफ कर लें त्वचा की टैनिंग, बनाकर लगाएं ये 5 फेस पैक

गर्मी में त्वचा को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इनमें से एक है सूरज की हानिकारक किरणों के कारण त्वचा पर होने वाली टैनिंग। यह समस्या खासतौर से उन लोगों के लिए होती है, जो घर से बाहर ज्यादा समय बिताते हैं। ऐसे में जरूरी है कि मानसून का मौसम आने से पहले ही आप इस जिद्दी टैनिंग को साफ कर लें। इसके लिए इन 5 घर पर बने फेस पैक से त्वचा की देखभाल करें।

दही, नींबू और चावल के आटे का फेस पैक

सामग्रीः 2 चम्मच दही, एक चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच चावल का आटा। बनाने और लगाने का तरीकाः सबसे पहले एक कटोरी में चावल का आटा, नींबू का रस और दही मिलाएं। फिर इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 से 20 मिनट के बाद चेहरे को पानी से धो लें। फायदाः यह फेस पैक त्वचा को नमी देने में मदद करता है और त्वचा की रंगत को हल्का करने में भी सहायता कर सकता है।

एलोवेरा जेल, हल्दी और चंदन का फेस पैक

सामग्रीः 2 चम्मच एलोवेरा जेल, एक चम्मच चंदन पाउडर और एक चुटकी हल्दी पाउडर। बनाने और लगाने का तरीकाः एक कटोरी में एलोवेरा जेल, चंदन पाउडर और हल्दी पाउडर को अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। फायदाः यह फेस पैक त्वचा को मुलायम बनाने के साथ रंगत को हल्का करने में भी मदद कर सकता है, जिससे टैनिंग साफ हो जाती है।

टमाटर, बेसन और दही का फेसपैक

सामग्रीः एक टमाटर, 2 चम्मच बेसन और एक चम्मच दही। बनाने और लगाने का तरीकाः सबसे पहले टमाटर को पीसकर उसकी प्यूरी बना लें। फिर इस गूदे को बेसन और दही के साथ मिलाकर पैक तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और सूखने पर चेहरे को पानी से धो लें। फायदाः यह फेस पैक मृत त्वचा को हटाने और रंगत को हल्का करने में मदद कर सकता है।

संतरे के छिलके, शहद और दूध का फेसपैक

सामग्रीः 2 चम्मच संतरे के छिलके का पाउडर, एक चम्मच शहद और एक चम्मच दूध। बनाने और लगाने का तरीकाः एक कटोरी में इन सभी सामग्रियों को मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। फायदाः यह फेस पैक त्वचा की रंगत को हल्का करने समेत इसे मुलायम बनाने में मदद कर सकता है।

नींबू, शहद और एलोवेरा जेल का फेसपैक

सामग्रीः एक चम्मच नींबू का रस, एक चम्मच शहद और एक चम्मच एलोवेरा जेल। बनाने और लगाने का तरीकाः एक कटोरी में इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और जब यह सूख जाए तो चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। फायदाः यह त्वचा के अतिरिक्त तेल को सोखकर मुंहासों से राहत दिलाता है, टैनिंग दूर करता है और इसे मुलायम बनाने में भी मदद कर सकता है।

ज्यादा टीडीएस कट गया? बैंक खाते में पैसा वापस पाने का ये है सबसे आसान तरीका

वित्त वर्ष में अगर आपकी वास्तविक देनदारी से ज्यादा टीडीएस (TDS) कट गया है, तो आप आईटीआर फाइल करके उसे वापस पा सकते हैं। इसके लिए फॉर्म 26AS से टैक्स का मिलान करना और रिटर्न भरने के बाद ई-वेरिफिकेशन करना जरूरी है। प्रक्रिया पूरी होने पर रिफंड का पैसा सीधे आपके बैंक खाते में आ जाता है।

वित्त वर्ष समाप्त होने के बाद अब इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल करने का दौर जारी है। नौकरीपेशा से लेकर आम कमाई करने वाले नागरिकों के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि अगर सालभर में उनका टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स (TDS) यानी एडवांस टैक्स वास्तविक टैक्स देनदारी से ज्यादा कट गया है, तो उसे वापस कैसे लिया जाए। बैंक ब्याज, सैलरी, डिविडेंड या किसी अन्य भुगतान से कटा अतिरिक्त टैक्स सरकार के पास सुरक्षित रहता है। इसे सही तरीके से ITR फाइल करके सीधे अपने बैंक खाते में वापस पाया जा सकता है।

किन परिस्थितियों में मिलता है टीडीएस रिफंड

आयकर नियमों के मुताबिक, जब वित्त वर्ष के दौरान काटा गया कुल टीडीएस आपकी वास्तविक टैक्स देनदारी से अधिक होता है, तो आप रिफंड के हकदार बनते हैं। इसके अलावा, यदि आपकी कुल सालाना टैक्स योग्य आय सरकार द्वारा तय टैक्स छूट की बुनियादी सीमा से कम है, फिर भी किसी वजह से टीडीएस काट लिया गया है, तो भी आप इस पूरे पैसे पर अपना दावा कर सकते हैं। ITR की प्रोसेसिंग पूरी होने के बाद आयकर विभाग इस अतिरिक्त टैक्स की रकम को सीधे आपके रजिस्टर्ड बैंक खाते में डिजिटल माध्यम से ट्रांसफर कर देता है।

अतिरिक्त कटे टैक्स को क्लेम करने की प्रक्रिया

टैक्स रिफंड का दावा करने की शुरुआत फॉर्म 26AS (Form 26AS) की जांच से होती है। यह फॉर्म आपके पैन कार्ड से लिंक होता है। इसमें सैलरी, ब्याज, एडवांस टैक्स या सेल्फ असेसमेंट टैक्स के रूप में कटे हर एक पैसे का पूरा लेखा-जोखा दर्ज होता है। ITR दाखिल करते समय अपनी पूरी आय को सही-सही दर्ज करें तथा फॉर्म 26AS में दिख रहे टीडीएस के आंकड़ों से उसका मिलान करें। यदि टीडीएस ज्यादा होगा, तो टैक्स फाइलिंग सिस्टम खुद-ब-खुद रिफंड की रकम तय कर देगा। ध्यान रहे, रिटर्न दाखिल करने के बाद आधार ओटीपी या अन्य उपलब्ध तरीकों से ई-वेरिफिकेशन करना अनिवार्य है, क्योंकि इसके बिना रिफंड की आगे की प्रक्रिया शुरू नहीं की जाती है।

पोर्टल पर ऐसे जांचें अपने रिफंड का स्टेटस

सामान्य तौर पर ITR के ई-वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद रिफंड बैंक खाते में आने में 4 से 5 हफ्ते का समय लग सकता है।

हालांकि, अलग-अलग मामलों के हिसाब से इस समय में बदलाव संभव है। अपने रिफंड की स्थिति जानने के लिए सबसे पहले इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर लॉगिन करें। इसके बाद 'e-File' सेक्शन में जाकर 'Income Tax Returns' और फिर 'View Filed Returns' का विकल्प चुनें। संबंधित असेसमेंट ईयर का चयन करके 'View Details' पर क्लिक करते ही आपको स्टेटस दिखाई दे जाएगा। यहां आपको 'Refund Issued', 'Refund Failed' या 'Refund Partially Adjusted' जैसे महत्वपूर्ण संदेश देखने को मिल सकते हैं।

इन गलतियों के कारण अटक सकता है आपका पैसा

कई बार छोटी सी लापरवाही की वजह से रिफंड की रकम अटक जाती है। यदि आपका पैन कार्ड आधार से लिंक नहीं है, तो रिफंड की प्रोसेसिंग रुकना तय है। इसके अलावा, बैंक खाते का प्री-वैलिडेट न होना, बैंक डिटेल्स और पैन रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग का अलग होना, गलत आईएफएससी (IFSC) कोड डालना या बंद हो चुका बैंक खाता भी रिफंड फेल होने की मुख्य वजह बनते हैं।

सैलरी, डिविडेंड, बैंक ब्याज, प्रोफेशनल फीस, कॉन्ट्रैक्ट पेमेंट, कमीशन, ब्रोकरेज, लॉटरी या ऑनलाइन गेमिंग जैसी किसी भी कमाई पर कटा टीडीएस वापस पाने के लिए जरूरी है कि आप ITR दाखिल करने से पहले अपनी बैंक डिटेल्स को अच्छी तरह री-चेक कर लें।

लग्जरी कार प्रेमियों को तगड़ा झटका, 1 जुलाई से महंगी होने जा रही हैं ये गाड़ियां, कंपनी ने बताई बड़ी वजह

अगर आप भी इस साल बीएमडब्ल्यू की लग्जरी कार खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपके लिए एक बेहद जरूरी खबर है। देश में कारों की लगातार बढ़ती कीमतों के बीच अब मशहूर लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने भी अपने पूरे पोर्टफोलियो की कीमतों में बढ़ोतरी करने का बड़ा ऐलान कर दिया है। आगामी 1 जुलाई से कंपनी की कारें खरीदना काफी महंगा हो जाएगा। कंपनी ने अपनी सभी गाड़ियों के दामों में 2 फीसदी तक का इजाफा करने का फैसला किया है।

क्चरूङ्ख और रूद्बह्वद्ब दोनों ब्रांड्स की कारें होंगी महंगी

कंपनी की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, कीमतों में किया जा रहा यह 2 फीसदी का इजाफा बीएमडब्ल्यू और मिनी (रूद्बह्वद्ब) रेंज की सभी गाड़ियों पर समान रूप से लागू होगा। इस बढ़ोतरी के पीछे की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपये की गिरती कीमत (कमजोर वैल्यू) और लगातार बढ़ते लॉजिस्टिक (माल ढुलाई) के दाम हैं। इन मैक्रोइकॉनॉमिक चुनौतियों के कारण इनपुट कॉस्ट बढ़ गई है, जिसकी भरपाई के लिए कंपनी को यह कदम उठाना पड़ा है।

प्रीमियम स्टैंडर्ड बनाए रखने के लिए उठाया कदम: हरदीप सिंह बरार

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ, हरदीप सिंह बरार ने इस फैसले को लेकर स्थिति साफ की है। उन्होंने बताया कि भारतीय बाजार में गाड़ियों की जबरदस्त डिमांड और बेहतरीन प्रोडक्ट रेंज होने की वजह से बीएमडब्ल्यू ग्रुप लगातार नए माइलस्टोन स्थापित कर रहा है। लेकिन मौजूदा मैक्रोइकॉनॉमिक चुनौतियों के बीच अपने प्रीमियम स्टैंडर्ड और क्वालिटी को बनाए रखने के लिए कंपनी अपने पूरे पोर्टफोलियो की कीमतों में 2 फीसदी की बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर हुई है।

भारत में मौजूद कंपनी का बड़ा पोर्टफोलियो

आपको बता दें कि बीएमडब्ल्यू भारत में अपने बड़े पोर्टफोलियो के तहत कई कारों को लोकली (चेन्नई प्लांट में) असेंबल करती है। इनमें बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज कूपे, 3 सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, 5 सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस, 7 सीरीज, एक्स1, एक्स3, एक्स5, एक्स7, एम340आई और आईएक्स1 लॉन्ग व्हीलबेस जैसी गाड़ियां शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी की कई हाई-एंड गाड़ियां जैसे बीएमडब्ल्यू आई5 एम60, आई7, आई7 एम70, आईएक्स, एम440आई कन्वर्टिबल, एम2 कूपे, एम4 कंपटीशन, एम5 और एक्सएम भारत में सीबीयू (पूरी तरह से बनी हुई गाड़ी) के तौर पर इंपोर्ट की जाती हैं।

ग्राहकों के लिए समर सर्विस कैंपेन में मिल रहे हैं शानदार डिस्काउंट

एक तरफ जहां कारें महंगी हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ कंपनी ने अपने मौजूदा ग्राहकों को राहत देने के लिए समर सर्विस कैंपेन 2026 की शुरुआत भी की है। इसके तहत ग्राहकों को कई कॉम्प्लिमेंटरी (मुफ्त) सुविधाएं दी जा रही हैं, जिनमें एसी फिल्टर की जांच, एयर फिल्टर और टायर कंडीशन का इंस्पेक्शन शामिल है। इसके अलावा, नॉन-इलेक्ट्रिक मॉडल्स के लिए मुफ्त बैटरी चेकअप भी ऑफर किया जा रहा है। यही नहीं, कंपनी ग्राहकों को एसी फुमिगेशन सर्विस पर 10 फीसदी की छूट और एसी रिपेयरिंग के लेबर चार्ज पर पूरे 25 फीसदी तक का भारी डिस्काउंट भी दे रही है ताकि गर्मियों में ग्राहकों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

मिडिल ईस्ट में भारी तनाव, अमेरिका ने ईरान पर दागीं टॉमहॉक मिसाइलें, सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में चल रहा तनाव अब एक बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। 10 जून 2026 को अमेरिकी नौसेना ने ईरान के खिलाफ एक बड़ी सैन्य कार्रवाई करते हुए कई टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें दागी हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, ये हमला अमेरिकी नौसेना के सबसे आधुनिक गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर USS Michael Murphy (DDG-112) से किया गया है। पेंटागन ने इस पूरी कार्रवाई को 'आत्मरक्षा' में उठाया गया कदम बताया है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) की तरफ से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, इस ज्वाइंट ऑपरेशन में अमेरिकी मरीन कोर, एयर फोर्स और नेवी की टीमों ने हिस्सा लिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के भीतर घुसकर उसके कई संवेदनशील मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को तबाह कर दिया। इन हमलों के मुख्य टारगेट थेः

CENTCOM ने कहा, "ईरान पिछले कई दिनों से इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों और अमेरिकी सैनिकों पर लगातार आक्रामक हमले कर रहा था। ये ठिकाने समुद्री सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन चुके थे, जिसके जवाब में राष्ट्रपति के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है।"

हमले में इस्तेमाल हुए घातक 'स्मार्ट हथियार'

इस सैन्य कार्रवाई की सबसे बड़ी खासियत रही इसमें इस्तेमाल किए गए प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन्स (PGMs) यानी बेहद सटीक निशाना लगाने वाले स्मार्ट बम और मिसाइलें। टॉमहॉक मिसाइल के अलावा अमेरिकी लड़ाकू विमानों (F-35 और F-15E) ने ईरान पर JDAM (Joint Direct Attack Munition) और पेववे (Paveway) लेजर गाइडेड बमों की बौछार की।

ये ऐसे आधुनिक हथियार हैं जो खराब मौसम या रात के अंधेरे में भी दुश्मन के रडार को चकमा देकर मात्र 5 से 10 मीटर की सटीकता के साथ टारगेट को मटियामेट कर देते हैं। इससे रिहायशी इलाकों को नुकसान पहुंचाए बिना सीधे सैन्य ठिकानों को ही ध्वस्त किया गया।

युद्धपोत 'USS Michael Murphy' की ताकत

जिस युद्धपोत से टॉमहॉक मिसाइलें दागी गईं, वो अमेरिकी नौसेना का Arleigh Burke-class (Flight IIA) विध्वंसक जहाज है। नेवी SEAL लेफ्टिनेंट माइकल पी। मर्फी (मेडल ऑफ ऑनर विजेता) के नाम पर बने इस 9,200 टन वजनी जहाज में Aegis Combat System लगा हुआ है, जो इसे दुनिया के सबसे सुरक्षित और मारक जहाजों में से एक बनाता है। इसके Mk 41 वर्टिकल लॉन्च सिस्टम (VLS) में कुल 96 मिसाइल सेल्स हैं, जो पलक झपकते ही लंबी दूरी तक मार करने वाली टॉमहॉक मिसाइलें दागने में सक्षम हैं।

आगे क्या?

फिलहाल इस विनाशकारी हमले के बाद ईरान की तरफ से कोई आधिकारिक बयान या जवाबी कार्रवाई की खबर नहीं आई है। हालांकि, रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि खाड़ी क्षेत्र (Persian Gulf) में इस कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच पूर्ण युद्ध छिड़ने का खतरा काफी बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने साफ कर दिया है कि उसके सैनिक किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह 'सतर्क और घातक' मोड में तैनात हैं।

सऊदी के शाही परिवार की इस राजकुमारी को मिली FII की कमान, विदेशी निवेश लाने की जिम्मेदारी

सऊदी, एजेंसी। सऊदी अरब के शाही परिवार की सदस्य डॉ। महा अल सऊद को फ्यूचर इंवेस्टमेंट इनिशिएटिव (FII) इंस्टीट्यूट का CEO बनाया गया है। इस संस्थान का मकसद निवेश, नई तकनीक और वैश्विक सहयोग के जरिए दुनिया की बड़ी चुनौतियों का समाधान तलाशना है। यह संस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा करने के लिए काम करता है। डॉ. महा की भूमिका विदेशी निवेश आकर्षित करने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने में भी अहम मानी जा रही है। उनका मुख्य लक्ष्य FII इंस्टीट्यूट को और मजबूत बनाना है, ताकि यह दुनिया भर के निवेशकों, उद्योग जगत के नेताओं और इनोवेशन से जुड़े लोगों को एक मंच पर ला सके

डॉ। महा अल सऊद के पास 25 साल से ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, रणनीतिक साझेदारी और अंतरराष्ट्रीय संबंधों जैसे कई क्षेत्रों में काम किया है। अपने लंबे करियर में उन्होंने सरकारी संस्थानों, निजी कंपनियों और NGOs के साथ मिलकर कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम किया है। इन पहलों का उद्देश्य संस्थानों को मजबूत बनाना, लोगों के लिए नए अवसर पैदा करना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना रहा है। FII इंस्टीट्यूट में आने से पहले वह अल फैसल यूनिवर्सिटी में वाइस प्रेसिडेंट (एक्सटर्नल रिलेशंस एंड एडवांसमेंट) थीं। वहां उन्होंने यूनिवर्सिटी की अंतरराष्ट्रीय पहचान बढ़ाने, विदेशी संस्थानों के साथ साझेदारी मजबूत करने और शिक्षा, रिसर्च और इनोवेशन में उसकी स्थिति को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई।

गर्मी से हर कोई परेशान लेकिन सीख नहीं रहा इंसान... ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने में फिर बनाया नया रिकॉर्ड

वॉशिंगटन, एजेंसी। जलवायु परिवर्तन दुनिया की सबसे बड़ी समस्या बनती जा रही है। लेकिन कई देशों के बीच जंग और संघर्ष की वजह से इस समस्या पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। खासतौर से राजनीतिक ध्यान कम होता दिख रहा है। धरती लगातार गर्म होती जा रही है। एक आकलन के यह बात सामने आई है कि रिकॉर्ड पर साल 2025 तीसरा सबसे गर्म साल था। खास बात यह है कि 'इंडिकेटर्स ऑफ ग्लोबल क्लाइमेट चेंज' (IGCC) नाम की इस सालाना अध्ययन में यह बात सामने आई है कि 2025 में पड़ी गर्मी में इंसानी गतिविधियों का योगदान शायद अब तक का सबसे अधिक था। IGCC स्टडी, जो पहली बार 2023 में प्रकाशित हुई थी, इस पर जलवायु

वैज्ञानिकों का एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय समूह का काम करता है। इस समूह में 'इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज' (IPCC) में योगदान देने वाले कई वैज्ञानिक शामिल हैं। IPCC जलवायु परिवर्तन के हालात को लेकर समय-समय पर रिपोर्ट तैयार करता है, और इसकी रिपोर्ट सबसे अधिक विश्वसनीय मानी जाती है।

साल 2025 तीसरा सबसे गर्म साल

लेटेस्ट IGCC की स्टडी में यह बात कही गई है 2025 में औसत वैश्विक तापमान 1850-1900 के बेसलाइन औसत से करीब 1.39 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज की गई है। इस कुल बढ़ोतरी में से, 1.37 डिग्री सेल्सियस इंसानी गतिविधियों (खासतौर से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन) का योगदान रहा था, जबकि शेष हिस्सा जलवायु प्रणालियों में प्राकृतिक बदलावों का नतीजा हो सकता है। 'अर्थ सिस्टम साइंस डेटा' नाम के पीयर-रिव्यू वाले ओपन एक्सेस जर्नल में प्रकाशित IGCC स्टडी, वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन (WMO) के पहले के अनुमानों की ही पुष्टि करती है। WMO ने इस साल जनवरी में कहा था कि 2024 और 2023 के बाद 2025 के तीसरा सबसे गर्म साल बनने की संभावना है। साथ ही 2025 में औसत वैश्विक तापमान के 1850-1900 के बेसलाइन से 1.44 डिग्री सेल्सियस ऊपर तक जाने की संभावना है।

सबसे अधिक गर्म साल रहा 2024

साल 2024 अब तक का सबसे गर्म साल साबित हुआ। यह साल 1850-1900 के बेसलाइन से करीब 1.55 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म था। 2024 में आई IGCC स्टडी के अनुसार, उस साल इंसानी गतिविधियों का योगदान करीब 1.36 डिग्री सेल्सियस था, जबकि शेष बदलाव प्राकृतिक वजहों से हुआ। इसी तरह साल 2023, करीब 1.45 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म हुआ था। तब इंसानी योगदान करीब 1.31 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। अब 2025 की ग्लोबल वार्मिंग में इंसानी गतिविधियों का योगदान शायद अब तक का सबसे ज्यादा आंका गया है, लेकिन मौसम में प्राकृतिक बदलाव हर साल अलग-अलग होते रहे हैं। पिछला साल 'ला नीना' (La Nina) वाला साल रहा था, और दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट के पास इक्वेटोरियल पैसिफिक ओशन सामान्य से कहीं ज्यादा ठंडा था।

'ला नीना' से धरती रही थोड़ी ठंडी

माना जाता है कि 'ला नीना' का धरती पर आम तौर पर ठंडा करने वाला असर होता है। शायद यही वजह हो सकती है कि इंसानों की वजह से होने वाली वार्मिंग का योगदान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बावजूद, यह साल 2024 और 2023 के मुकाबले थोड़ा ठंडा ही रहा। IGCC की लेटेस्ट स्टडी में कहा गया कि ग्रीनहाउस गैसों के रिकॉर्ड उत्सर्जन के कारण इंसानों की वजह से होने वाली गर्मी हर दशक में करीब 0.27 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ रही है। साल 2025 में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन 56.8 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर पहुंच गया, जो अब तक का सबसे ज्यादा स्तर है। इसमें यह भी कहा गया कि अगर दुनिया 1850-1900 के बेसलाइन से तापमान में बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेल्सियस के अंदर सीमित रखना चाहती है, तो उसे 2026 की शुरुआत से 130 बिलियन टन से अधिक अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं करना होगा।

जर्मनी में क्लाइमेट को लेकर मंथन

IGCC की स्टडी ऐसे हफ्ते में जारी की जा रही है जब दुनिया के ज्यादातर देश सालाना मिड-ईयर क्लाइमेट बातचीत के लिए जर्मनी के बॉन में जुट रहे हैं। बातचीत मुख्य रूप से क्लाइमेट एक्शन की महत्वाकांक्षा को बढ़ाने के तरीकों पर केंद्रित है, क्योंकि पिछले साल 2015 के पेरिस समझौते से अमेरिका के हटने से इस मुहिम को बड़ा झटका लगा था। खास बात यह है कि ग्लोबल क्लाइमेट एक्शन भविष्य में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भारी कटौती की जरूरत के साथ तालमेल नहीं बिठा सका है। इस स्टडी के नतीजे तेज़ी से बढ़ते ग्लोबल टेम्परेचर की एक और याद दिलाते हैं। पिछले ही महीने, WMO की एक स्टडी में कहा गया था कि 91 प्रतिशत संभावना इस बात की है कि 2026 और 2030 के बीच अगले 5 सालों में से कम से कम एक साल 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर जाएगा, ठीक वैसे ही जैसे 2024 में हुआ था।

होममेकर नहीं, राष्ट्र निर्माता कहना चाहिए... घरेलू महिलाओं के लिए सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

योगदान को पैसे के रूप में कैसे आंकेंगे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने घर में काम करने वाली महिलाओं के प्रति सम्मानित नजरिए को बढ़ावा देने के लिए कहा कि अब उनके लिए होममेकर के बजाय राष्ट्र निर्माता शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।कोर्ट ने कहा कि परिवार में उनके बहुत बड़े योगदान के कारण पत्नियों के लिए यही शब्द इस्तेमाल किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में घरेलू आय के नुकसान को लेकर कुछ अहम निर्देश जारी किए हैं। जस्टिस संजय करोल ने कहा कि हमारा भी यही मानना है कि घर संभालने वाली हाउस वाइफ इंसान और देश के विकास में योगदान देती है।

कोर्ट ने कहा कि आप उस योगदान को पैसे के रूप में कैसे आंकेंगे? हमने कुछ सिद्धांत तय किए हैं और एक 'राष्ट्र-निर्माता' के तौर पर है। कोर्ट ने कहा कि इसके साथ ही घरेलू देखभाल से जुड़ी मासिक आय के नुकसान की रकम ₹30 हजार प्रति माह तय की है। यानि कोर्ट का कहना है कि घरेलू महिला जो घर संभालती है, उसका काम (खाना बनाना, बच्चों की देखभाल, परिवार की जिम्मेदारी आदि) बहुत मूल्यवान है। भले ही वह बाहर से पैसा न कमाती हो, उसका योगदान ₹30,000 प्रति महीने के बराबर माना जाएगा।

कोर्ट ने कहा कि हमने 'प्रणय सेठी' मामले के बाद एक नया सिद्धांत भी बनाया है और यह उस मामले में तय की गई बातों के अलावा है। हमने कुछ निर्देश जारी किए हैं और हमें उम्मीद और भरोसा है कि सभी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस इन सभी मामलों पर नज़र रखेंगे और एक्ट की धारा 169 के तहत तय की गई प्रक्रिया, यानी एक 'समरी प्रोसीजर' (संक्षिप्त प्रक्रिया) का पूरी तरह से और सही भावना के साथ पालन किया जाएगा।

जस्टिस संजय करोल ने आगे कहा कि 'प्रणय सेठी' मामले में तय की गई बातों के अलावा घरेलू देखभाल का नुकसान एक अतिरिक्त आधार होगा। कोर्ट ने कहा कि हम बस यही उम्मीद और भरोसा करते हैं कि घर संभालने वाली महिला को अब 'राष्ट्र-निर्माता' कहा जाएगा।

MP राज्यसभा चुनाव : नामांकन रद्द मामले में मीनाक्षी नटराजन को नहीं मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा नामांकन रद्द मामले में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन को आज राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई से इनकार कर दिया और कहा कि कल आइएगा, कल सुनवाई करेंगे। मीनाक्षी की याचिका को जस्टिस प्रशांत कुमार की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ के समक्ष मेंशन किया गया। कांग्रेस नेता की ओर से रिटर्निंग ऑफिसर के द्वारा नामांकन रद्द करने के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने बेंच से कहा कि मामले पर तत्काल हस्तक्षेप कर निर्देश जारी करने की जरूरत है। उन्होंने आरपी एक्ट के सेक्शन 33A का हवाला दिया। वहीं, मुकुल रोहतगी ने रिटर्निंग ऑफिसर की तरफ से आपत्ति जताई। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी आदेश नहीं दिया। आज नामांकन प्रक्रिया की अंतिम तारीख है, जिसका हवाला भी सिंघवी ने दिया। सिंघवी ने कहा कि कोर्ट ने ना ही संज्ञान लिया है और ना ही आरोप तय किया है। जस्टिस प्रशांत कुमार ने कहा कि कानून स्पष्ट है और अशोक कुमार मामले में बहुत स्पष्टता है। कल आइएगा सुनवाई करेंगे। चुनाव आयोग से कोई जवाब नहीं मिलने पर नटराजन ने SC में रिट याचिका दायर की है। रिटर्निंग ऑफिसर अरविंद शर्मा ने फॉर्म 26 में तेलंगाना में लंबित मामले की जानकारी नहीं देने पर उनका नामांकन रद्द किया था। आज नाम वापसी का आखिरी दिन है।

मणिपुर हिंसा पर सीएम का सख्त संदेश : 'अत्याचारों पर चुप नहीं रहेंगे, शांति और कानून राज स्थापित होगा'

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर सरकार ₹इन अत्याचारों को चुपचाप नहीं देखेगी₹, मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने यह बड़ी बात कही। यह बयान तब आया जब पुलिस ने कांगपोकपी ज़िले में हथियारबंद समूहों द्वारा अगवा किए गए लापता नागा पुरुषों में से छह लोगों के शव बरामद किए। नागा समुदाय के इन छह लोगों को कथित तौर पर 13 मई को लेइलोन वाइफेई गाँव से अगवा किया गया था। एक आधिकारिक बयान में सिंह ने कहा कि राज्य सरकार इस तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं करेगी और कहा कि हत्या के लिए ज़िम्मेदार दोषियों को गिरफ़्तार किया जाएगा और कानून के मुताबिक सज़ा दी जाएगी।

ये शव उस घटना के एक दिन बाद मिले, जब सेनापति ज़िले से लगभग एक महीने पहले अगवा किए गए 14 कुकी लोगों को 9 जून को रिहा किया गया था। मणिपुर पुलिस ने बुधवार को X पर एक पोस्ट में कहा कि मणिपुर पुलिस, CRPF और असम राइफल्स के लगभग 450 जवानों ने स्निफर डॉग्स और फोरेंसिक एक्सपर्ट टीमों की मदद से करीब 24 घंटे तक लगातार तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद आज दोपहर छह लोगों के शव बरामद किए गए। माना जा रहा है कि ये शव उन लोगों के हैं जिन्हें 13 मई, 2026 को लेइलोन वाइफेई से बंधक बनाया गया था।

खबरों के अनुसार, 13 मई को कांगपोकपी ज़िले में चर्च के तीन नेताओं की हत्या के बाद छह नागा और 14 कुकी लोगों का अपहरण कर लिया गया था। X पर एक अलग पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि कांगपोकपी ज़िले के लेइलोन वाइफेई गाँव से अगवा किए गए छह बेगुनाह नागा ग्रामीणों की बेरहमी से हत्या से मुझे गहरा दुख हुआ है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ।

कंगना रनौत की 'भारत भाग्य विधाता' का ट्रेलर रिलीज, फिर हरा हो गया 26/11 आतंकी हमले का जख्म

कंगना रनौत की आगामी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' का ट्रेलर आज जारी हो गया है। यह फिल्म 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल में घटी सच्ची घटनाओं और वहां की नर्स की बहादुरी और उनकी मेहनत की अनसुनी कहानी को बताती है। यह फिल्म उस रात की कहानी है जब अस्पताल के अंदर फंसे लगभग 400 लोगों की जान बचाने के लिए मेडिकल स्टाफ ने अपनी जान दांव पर लगा दी थी।

2 मिनट 24 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत की कामा अस्पताल में और मुंबई में बाकी इलाकों में हुए आतंकी हमले के साथ होती है। इस ट्रेलर में नर्स के जीवन के बारे में दिखाया गया है। समाज में उन्हें किस नजर से देखा जाता है और लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं।

लेकिन फिल्म का प्रमुख केंद्र 2008 में कामा अस्पताल पर हुए आतंकी हमले पर आधारित है। जब आतंकियों ने कामा अस्पताल में घुसकर छह गार्डों की हत्या कर दी थी। मुख्य भवन के पीछे कई गोलियां चलाई गईं, जिससे कई कर्मचारियों घायल भी हुए। इस दौरान वहां की नर्स और सपोर्टिंग स्टाफ ने किस तरह बहादुरी दिखाते हुए लोगों की जान बचाई और अपनी सूजबूझ से आतंकियों का डटकर सामना किया था।

फिल्म में कंगना रनौत एक नर्स के किरदार में नजर आई हैं। उनके साथ गिरिजा ओक भी एक नर्स ही बनी हुई हैं। ट्रेलर में कंगना नर्सिंग के दौरान दिलाई गई अपनी शपथ को भी याद करती हैं और लोगों की जान बचाने के लिए अस्पताल के मैनेजमेंट का भी मुकाबला करती नजर आती हैं।

मनोज तापड़यि द्वारा लिखित और निर्देशित 'भारत भाग्य विधाता' को कंगना रनौत ने पेन इंडिया के साथ मिलकर प्रोड्यूस भी किया है। फिल्म में कंगना रनौत एकमात्र बड़ा चेहरा हैं।

इसके अलावा फिल्म में गिरिजा ओक, स्मिता तांबे, सुहिता थाटे, आशा शेलार, प्रिया बेर्डे, ईशा डे, रसिका अघासे, अमृता नामदेव, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' से होगी।

हुमा कुरैशी की फिल्म बेबी डू डाई डू की पहली झलक जारी, चौंकाएगा अभिनेत्री का अंदाज

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी पर्दे पर हमेशा अलग-अलग तरह के किरदार निभाने में विश्वास रखती हैं। उनकी आगामी फिल्म बेबी डू डाई डू में कुछ ऐसा ही नजर आया है, जिसकी पहली झलक जारी हो गई है। नचिकेत सामंत द्वारा निर्देशित और सलीम सिब्लिंग्स (हुमा और साकिब सलीम) द्वारा निर्मित फिल्म में हुमा को बेबी करमारकर के किरदार में पेश किया गया है। वीडियो से पता चलता है कि अभिनेत्री इसमें एक कॉन्ट्रैक्ट किलर की भूमिका निभा रही हैं।

बेबी डू डाई डू का टीजर एनिमेटेड वीडियो के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें मुंबई में लगातार होने वाली हत्याओं से जुड़े रहस्यमयी हत्यारे की तलाश को दिखाया गया है। पुलिस और मीडिया रहस्यमयी व्यक्ति की तलाश में व्यस्त है। दूसरी ओर एक महिला लाल छाता लिए शहर में चुपचाप घूमती हुई नजर आती है। हैरानी की बात यह है कि महिला के छाते में एक बंदूक छिपी है, जिससे वह दिन-दहाड़े लोगों का खून करती है।

हुमा ने वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर जारी किया है और कैप्शन दिया, आ गई अपनी फीमेल हिटवुमन! इससे पहले उन्होंने फिल्म के कई सारे पोस्टर साझा करते हुए फैंस को उत्साहित कर दिया था। निर्माताओं का कहना है कि फिल्म का टीजर जल्द जारी किया जाएगा। फिल्म में सिकंदर खेर, चंकी पांडे, सीमा पाहवा, विद्या मालवदे और हिमांशु मलिक जैसे सितारे भी नजर आएंगे। यह 3 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

बंटवारा 1947 से सनी देओल का फर्स्ट लुक आउट, आजादी वाले दिन होगी रिलीज, फिर दिखेगी भारत-पाक विभाजन की कहानी

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही फिल्म बंटवारा 1947 का निर्देशन दिग्गज फिल्म मेकर राजकुमार संतोषी कर रहे हैं। यह फिल्म देश के विभाजन के दिन को याद करते हुए विशेष रूप से रिलीज की जाएगी। आमिर खान प्रोडक्शंस ने अपनी आने वाली फिल्म बंटवारा 1947 का मोशन पोस्टर रिलीज करके हर किसी को एक बड़ा और शानदार सरप्राइज दिया है।

इस फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इंटेंस, थ्रिलिंग और सीधे दिलों को छू लेने वाला यह मोशन पोस्टर पूरी तरह से गुस्से, भावनाओं और कुछ कर गुजरने के पक्के इरादे से भरा हुआ है। शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल, अभिमन्यु सिंह, खुशी हजारे और कनिका कपूर जैसे कलाकारों की एक बेहतरीन स्टार कास्ट और बेहद लोकप्रिय क्रिएटिव टीम के साथ, यह फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों में एक बिल्कुल अलग और अनोखा अनुभव देने का वादा करती है।

बंटवारा 1947 की कहानी एक ऐसे हीरो के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जिसने नफरत और डर के उस भयानक दौर में भी साहस का रास्ता चुना। दिग्गजों की इस बेहतरीन स्टार कास्ट के साथ, यह फिल्म दर्शकों को बेहद दमदार और असरदार परफॉर्मेंसेस देने का वादा करती है।

इस फिल्म का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म मेकर राजकुमार संतोषी कर रहे हैं। बीते सालों में कई कल्ट क्लासिक फिल्में देने के बाद, संतोषी अब एक बेहद दिलचस्प और झकझोर देने वाली कहानी लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म राजकुमार संतोषी और सनी देओल की उस आइकॉनिक जोड़ी की पूरे 30 साल बाद वापसी करा रही है, जिसने भारतीय सिनेमा को घायल, दामिनी और घातक जैसी अपने दौर की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं।

इस धमाकेदार मोशन पोस्टर ने दर्शकों के बीच उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है, जो इस ऐतिहासिक जोड़ी की कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही बंटवारा 1947 का डायरेक्शन जहां राजकुमार संतोषी ने किया है, वहीं इसका शानदार म्यूजिक दिग्गज संगीतकार ए। आर। रहमान ने तैयार किया है और इसके गहरे बोल जावेद अख्तर ने लिखे हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com